दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -92 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, मंगलवार, 31 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

पूरे देश में 1100 हॉक्स मेल भेजकर फैलाई दहशत, बेरोजगारी से था फस्ट्रेट, दिल्ली पुलिस ने मैसूर से पकड़ा

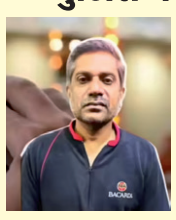

बेंगलुरु, एजेंसी | कर्नाटक में मैसूर के रहने वाले 47 साल के एक शख्स को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने पूरे भारत में स्कूलों, हाईकोर्ट और सरकारी दफ्तरों को निशाना बनाते हुए 1100 से ज्यादा झूठे धमकी भरे मैसेज भेजे थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी श्रीनिवास लुइस मानसिक तनाव से जूझ रहा है और उसने ईमेल भेजने की बात कबूल कर ली है। हालांकि पुलिस ने कहा कि इन मैसेज को भेजने के पीछे की असली वजह का पता तब चलेगा, जब आरोपी को दिल्ली लाया जाएगा और उससे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

दरअसल यह गिरफ्तारी तब हुई, जब दिल्ली पुलिस ने लोकल पुलिस टीमों के साथ मिलकर एक साझा ऑपरेशन चलाया। हाल के दिनों में दिल्ली हाईकोर्ट, विधानसभा और कई शिक्षा और सरकारी संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन धमकियों की वजह से सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और संस्थानों के कामकाज में रुकावट आई थी।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को पुलिस ने श्रीनिवास लुइस को मैसूर के वृंदावन लेआउट में किराए के घर से गिरफ्तार किया। लुइस पोस्टग्रेजुएट है और मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला है। फिलहाल वह बेरोजगार है और अपनी मां के साथ रहता है, जो एक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी हैं। पुलिस की माने तो बेरोजगारी के फस्ट्रेशन में उसने ये हरकत की।

झारखंड में बारिश के साथ तूफान और वज्रपात, आईएमडी की ओर से ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी | झारखंड के अधिकांश हिस्सों में अगले 24 घंटों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले चार अप्रैल तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है।

उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने राज्य के पांच जिलों बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका और पाकुड़ में ओलावृष्टि के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट' जारी किया है, जबकि शेष 19 जिलों में गरज के साथ बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट' जारी किया गया है।

सोमवार को रांची और खूंटी के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। दोपहर बाद हुई तेज बारिश से फसल को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। वहीं कई इलाकों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई।

आईएमडी ने कहा कि राज्य के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित पांच जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक, बिजली कड़कने और ओलावृष्टि का अनुमान है, जबकि अन्य जिलों में हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे तक रहेगी।

इसके अतिरिक्त, 2 और 3 अप्रैल को झारखंड के दक्षिणी और मध्य जिलों में हल्की बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और बिजली कड़कने का अनुमान है।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि आसमान में तीन अप्रैल तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजनीति में विनम्रता, मर्यादा और अनुशासन आवश्यक है। वे ही इस क्षेत्र में सक्रिय और सफल हो सकते हैं, जिनमें जनसेवा और जनकल्याण की भावना हो। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से राजनीति में आने वाले लोगों के कारण लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। जनप्रतिनिधियों के लिए जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील होना, अध्ययनशील होना, तनाव प्रबंधन में दक्ष होना और जनहित के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करना आवश्यक है। कोई समस्या आने पर जनप्रतिनिधि का व्यवहार और समस्या निराकरण के लिए उनका प्रबंधन कौशल, उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। सकारात्मक और समाज हित की गतिविधियों और विकास कार्यों के लिए हमें दलगत मतभेदों से ऊपर उठकर सोचना और कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा के विधान परिषद हाल में हुआ कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार विशेष रूप से उपस्थित थे। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान के 45 वर्ष आयु तक के विधायक सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मानना कि लोकतंत्र के विचार की उत्पत्ति पश्चिम से हुई थी, पूर्णतः सत्य नहीं है। लोकतंत्र, भारतीय राजनैतिक व्यवस्था का नैसर्गिक गुण है। भारतीय व्यवस्थाओं में सदैव से ही मत भिन्नता को सम्मान दिया गया है, राजनैतिक और धार्मिक व्यवस्थाओं में शास्त्रार्थ की परम्परा प्राचीन समय से रही है। भारत में विचारों की अभिव्यक्ति को सभी क्षेत्रों में सम्मान और महत्व प्रदान किया गया।

भारत में ऐतिहासिक रूप से जुड़े लोकतंत्र के संस्कारों और मूल्यों का ही परिणाम है कि अंग्रेजों के जाने के बाद भी देश में लोकतंत्र पर आधारित व्यवस्थाएं सुगमता से संचालित होती रहीं। जबकि अन्य पड़ोसी देशों का हाल सबके सामने है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा विधायकों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें हर स्थिति में सम भाव से रहने की प्रेरणा मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम से लेना चाहिए। जब उन्हें राजपाट सौंपा जाना था, तब उन्हें वनवास दे दिया गया। परंतु उन्होंने दोनों स्थितियों को समभाव से लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य सहित कई भारतीय शासकों के इतिहास से ज्ञात होता है कि उन्होंने कभी अपनी अगली पीढ़ी को राज सत्ता सौंपने का उपक्रम नहीं किया। राज्य के प्रबंधन में लगे लोगों ने ही उनके बाद व्यवस्थाएं संभाली।

ऐसे महान शासकों का मानना था कि यदि अगली पीढ़ी में नेतृत्व क्षमता और राज सत्ता के प्रबंधन की दक्षता होगी, तो वे स्वयं इस दिशा में सक्रिय होंगे। इन भारतीय मूल्यों और परम्पराओं का वर्तमान में भी पालन होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों और सत्ता से जुड़े लोगों का अपने परिवार को समय देना और उन्हें अच्छे संस्कार देना भी आवश्यक है। अच्छे संस्कारों के अभाव में अगली पीढ़ी द्वारा यश प्रभावित करने की संभावना बनी रहती है।

'पंक्चर की दुकान बंद नहीं करूंगा, 2 बच्चे अभी और हैं', पीसीएस अफसर बनी बेटी तो पिता ने कही दिल जीतने वाली बात

बुलंदशहर, एजेंसी | टायर पंक्चर लगाने वाले राजकुमार वर्मा की बेटी गायत्री पीसीएस अफसर बन गई है। इस पर राजकुमार कहते हैं कि वे पंक्चर की दुकान बंद नहीं करेंगे। वह कहते हैं कि मेरे दो बेटा-बेटी और भी हैं, उनको भी कामयाब करना है। ये सुंदर तस्वीर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से सामने आई है।

आपकी बेटी अधिकारी बनी है, अब तो आप पंक्चर की दुकान बंद करोगे न, के सवाल पर पिता ने कहा कि बिल्कुल नहीं बंद करुंगा। जब उनसे सवाल किया गया कि अब तो सारी जिम्मेदारी बेटी संभाल लेगी तो उन्होंने कहा कि बेटी का जो काम है, बेटी करेगी और मेरी जो जिम्मेदारी है, वो मैं करूंगा। जब उनसे सवाल किया गया कि अब तो बेटी सरकारी सेवा में है तो पूरे परिवार को सपोर्ट करना चाहिए, इस पर पिता ने कहा कि वो जरूर सपोर्ट करेगी। अभी मेरे दो बच्चे और रह गए हैं, उन्हें भी कामयाब बनाना है। जब सभी बच्चे

कामयाब हो जाएंगे, तब देखेंगे अब क्या करना है।

यूपीपीसीएस परीक्षा में 210वीं रैंक हासिल की - उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से एक प्रेरणादायक खबर सामने आई है। जहां सीमित संसाधनों के बावजूद एक बेटी ने अपने हौसले और मेहनत से बड़ी सफलता हासिल की। पंक्चर लगाने वाले की बेटी गायत्री वर्मा ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) परीक्षा में 210वीं रैंक प्राप्त कर पीसीएस अफसर बनकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन किया है।

गायत्री ने बताया कि उन्होंने यह सफलता अपने तीसरे प्रयास में हासिल की। पहले प्रयास में वह प्रारंभिक परीक्षा भी पास नहीं कर पाईं थीं, जबकि दूसरे प्रयास में मुख्य परीक्षा में असफल रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत जारी रखी।

गायत्री ने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई बुलंदशहर में पूरी की, जबकि आगे की शिक्षा उन्होंने अलीगढ़ में ननिहाल में रहकर हासिल की। उन्होंने बताया कि उनके पिता राजकुमार टायर पंक्चर की छोटी सी दुकान चलाते हैं, जिससे परिवार का गुजारा मुश्किल से हो पाता था। आर्थिक तंगी के चलते पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कई बाधाएं आईं, लेकिन परिवार के सहयोग और उनके दृढ़ संकल्प ने राह आसान कर दी।

1 अप्रैल से शुरू हो रहा जनगणना 2027 का पहला चरण, आयुक्त मृत्युंजय कुमार ने दी कई अहम जानकारियां

• नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में साल 2027 में होने वाली जनगणना को लेकर कई अहम जानकारी जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने दी है. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया के कई सवालों के जवाब देते हुए बताया कि जनगणना चार चरणों में होगी. उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत नागरिकों को स्व गणना या अपना डेटा खुद देना होगा. वोटर अपनी जानकारी दिए गए फॉर्म में खुद भरेंगे. यह Self Enumeration प्रक्रिया है.

इसके बाद दूसरे चरण में चुनाव कर्मचारी घर-घर जाकर स्वगणना के तहत दी गई जानकारी के तहत इसे वेरिफाइ करेंगे यानी नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी को वेरिफाई किया जाएगा. तीसरे चरण में प्राप्त डेटा को क्रॉसचेक किया जाएगा.

पर्यवेक्षक यानी सुपरवाइजर इसे डेटा को वेरिफाइ करेंगे. 6 चुनाव कर्मियों पर एक सुपरवाइजर को नियुक्त किया जाएगा. वहीं, चौथे चरण में वोटर की व्यक्तिगत जानकारी जुटाने का काम किया जाएगा.

इसके अलावा जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार ने बताया कि पहले चरण में हाउसहोल्ड यानी घरेलू संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी. जातिगत रूप से जनगणना को दूसरे चरण में किया जाएगा. उन्होंने इस सवाल का जवाब भी दिया है कि अगर किसी के पास एक से ज्यादा घर हैं, तो वह जहां मौजूदा समय में रह रहे हैं, वहां की जानकारी दे सकते हैं.

1 अप्रैल से शुरू हो रहा पहला चरण - दरअसल, जनगणना 2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है. इसमें 33 सवालों के जवाब सरकार की तरफ से पूछे जाएंगे. इनके अलावा लिव इन में रह रहे कपल्स को शादीशुदा माना जाएगा. ऐसा तब किया जाएगा, जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चल सकता है.

पहले चरण के लिए सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है. यहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे. उनकी मदद के लिए FAQ भी दिए गए हैं. इस तरह के चरण को हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना कहा जाता है.

40 यात्रियों से भरी बस भद्रावती में पुल से गिरी, 10 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली | कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में एक निजी बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। यह घटना भद्रावती तालुक के वीरपुरा गांव के कागेहल्ला में घटी। खबरों के अनुसार, बस गिरने से पहले पुल की रेलिंग से टकरा गई थी। दस से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें भद्रावती तालुक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना के समय बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे और यह दावनगेरे जिले के चन्नागिरी से भद्रावती जा रही थी। दुर्घटनास्थल भद्रावती ग्रामीण

पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, जहां मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

हसन में बस और लॉरी की टक्कर में दो लोगों की मौत - इससे पहले, कर्नाटक के हसन जिले में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना चन्नारायपटना तालुक के हिरिसावे स्थित अम्माकुटीरा लेआउट के पास हुई, जहां एक निजी बस की लॉरी से टक्कर हो गई। मंगलुरु से बेंगलुरु जा रही बस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान वह आगे चल रही लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे भीषण टक्कर हो गई।

एयरपोर्ट पर कहां मिलते हैं सस्ते कॉफी-समोसे? जहां राघव चड्ढा ने पी 10 रुपये में में चाय

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | हवाई अड्डों पर किफायती भोजन का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है, क्योंकि हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यात्रियों के लिए कम लागत वाले विकल्पों की उपलब्धता पर प्रकाश डाला गया है। चर्चा का केंद्र बिंदु 'उड़ान यात्री कैफे' है, जो हवाई अड्डे परिसर में किफायती भोजन और पेय पदार्थ उपलब्ध कराने की एक पहल है। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थित इस

कैफे में 10 रुपये में चाय खरीदने का अपना अनुभव साझा किया। हवाई अड्डों पर अक्सर महंगे भोजन के आदी यात्रियों ने इस अवधारणा का स्वागत करते हुए इसे व्यावहारिक और अत्यंत आवश्यक बताया। अपने वीडियो पोस्ट में उन्होंने लिखा है सभी खुश हैं, सभी एक ही बात कह रहे हैं: जेब पर भारी नहीं, अच्छी सेवा, वैल्यू ऑफ मनी।

हालांकि इस पोस्ट ने नए सिरे से दिलचस्पी जगाई, लेकिन यह पहल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इस तरह का पहला कैफे कोलकाता में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के तहत शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बुनियादी खाद्य पदार्थों को किफायती बनाना था।

आदिवासियों का क्यों नहीं विकास? कांग्रेस पर शाह का हमला, बोले- मोदी सरकार ने किया नक्सलवाद खत्म

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला. उन्होंने कहा कि सत्ता पाने के लिए आदिवासियों को भड़काया गया है. वामपंथी विचारधारा से नक्सलवाद फैला है. अमित शाह ने सोमवार (30 मार्च) को लोकसभा में कहा कि देश लंबे वक्त तक नक्सलवाद से पीड़ित रहा, लेकिन अब देश को इससे आजादी मिल गई है. उन्होंने कहा कि बस्तर से नक्सलवाद खत्म हो चुका है. उन्होंने आदिवासियों का जिक्र करते हुए कहा कि वो सालों से चाहते थे कि उनका दर्द, वेदना को संसद में उजागर हो, लंबे समय तक इसको मौका नहीं दिया.

अमित शाह ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि जो 1970 से 2026 तक चला, उसके बारे आज संसद में चर्चा हो रही है. उन्होंने

लोकसभा में कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग समाप्त हो गया है. शाह ने कहा, 'जो नक्सलवाद पर बोल रहे थे, उनसे इतना ही पूछना चाहता हूं कि 1970 से अब तक यह खत्म क्यों नहीं हुआ. ये बस्तर वाले विकास से पीछे क्यों छूट गए.'

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का विपक्ष पर हमला

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो नक्सलवाद के वकील बन रहे हैं, वे संविधान मानेंगे या नहीं. उन्होंने कहा कि पूरी व्यवस्था को नकार कर हाथ में हथियार उठा लिया था, लेकिन सरकार तो संविधान से ही चलेगी.

अमित शाह ने कहा, 'आज पूछना चाहता हूं कि 75 साल में 60 साल आपने शासन किया, आदिवासी क्यों बच गए. विकास तो मोदी जी आज करवा रहे हैं. मोबाइल टावर नहीं दिया और आप हिसाब मांग रहे हैं. 12 करोड़ लोग गरीबी के नीचे जी रहे थे, 20 हजार युवा मारे गए, कई दिव्यांग बन गए. उन तक विकास नहीं पहुंचा. कौन जिम्मेदार है? इस पर चिंतन करना चाहिए.

अमित शाह ने कहा, 'छत्तीसगढ़ के बस्तर में उनका होम मिनिस्टर होता था. अब कह रहे हैं बातचीत करो, मैं 50 बार जा कर कह चुका हूं, हथियार डाल दीजिए, आपके पुर्नवास हम करेंगे. जो गोली चलाता है उसका जवाब गोली से दिया जाता है.'

पीएम मोदी की बड़ी चेतावनी, बोले- असम चुनाव में एआई के फर्जी वीडियो बिगाड़ सकते हैं खेल

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नमो ऐप पर 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से बातचीत की और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उन्हें जमीनी स्तर पर प्रयास तेज करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गठबंधन को राज्य में व्यापक समर्थन प्राप्त है, लेकिन उन्होंने अभियान को और मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया मांगी।

राज्य की राजनीतिक दिशा पर विचार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले असम में लंबे समय तक अस्थिरता का दौर रहा था। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले एक दशक में सभी क्षेत्रों में स्पष्ट बदलाव आए हैं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से पूर्व कांग्रेस सरकारों के शासन को याद रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'एक छोटी सी गलती भी असम को पीछे धकेल सकती है, इसलिए सतत विकास के लिए शांति और स्थिरता आवश्यक है।

एआई द्वारा उत्पन्न गलत सूचनाओं से सावधान रहें - संवाद के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने बूथ कार्यकर्ताओं को इस चुनाव के मौसम में एआई द्वारा उत्पन्न फर्जी वीडियो के बढ़ते खतरे के बारे में आगाह किया। उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं को राज्य के लोगों को सतर्क करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि गलत सूचना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित न करे। प्रधानमंत्री मोदी ने विद्रोही संगठनों और छात्र संगठनों के साथ समझौते करने में विफल रहने के लिए पिछली कांग्रेस सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की कमियों ने क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अशांति में योगदान दिया है।

रविवार (29 मार्च) को भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दावा किया कि पार्टी असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर हैट्रिक बनाएगी।

भारत ने कुआं खोद निकाली गैस, रचा इतिहास, 1 अरब डॉलर प्रोजेक्ट 2 साल में पूरा

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारत की ऊर्जा ताकत को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां एक तरफ दुनिया तेल और गैस के संकट से जूझ रही है। वहीं भारत ने चुपचाप एक ऐसा कदम उठा दिया है जो आने वाले सालों में गेम बदल सकता है। देश की सबसे बड़ी सरकारी ऑयल कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन यानी कि ओएनजीसी ने अपने 1 अरब के बड़े प्रोजेक्ट से गैस सप्लाई शुरू कर दी है। सबसे बड़ी बात यह प्रोजेक्ट 2 साल से भी कम समय में पूरा कर लिया गया है। दरअसल ओएनजीसी ने ऐलान किया है कि उसके वेस्टर्न ऑफशोर यानी कि पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में स्थित दमन अपसाइड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट यानी डीयूडीपी के तहत प्लेटफार्म B124P से गैस का प्रवाह शुरू हो चुका है। इसका मतलब क्या हुआ? इसका मतलब

सीधे शब्दों में समझिए कि अब इस प्रोजेक्ट से कमाई शुरू हो चुकी है और आज के समय में जब बड़े-बड़े प्रोजेक्ट सालों तक लटक जाते हैं, वहीं ओएनजीसी ने इसे 2 साल से भी कम समय में पूरा करके एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। इससे भारत की घरेलू गैस सप्लाई बढ़ेगी। दूसरा भारत बाहर से गैस कम खरीदेगा और तीसरा यह सीधे-सीधे भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करेगा। आज भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा तेल और गैस आयात करता है विदेशों से। ऐसे में अगर देश के अंदर ही उत्पादन बढ़े तो विदेशी खर्च कम होगा।

नीम घाटी पर पलटा गेहूं से भरा ट्रैक्टर-ट्राली :गेहूं लेकर नरसिंहपुर से आ रहा था सागर ब्रेक लगाने से अनियंत्रित हुआ, ड्राइवर समेत 3 घायल

सागर,एजेंसी। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर स्थित नीम घाटी पर गेहूं से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार तीन लोग घायल हुए हैं। जिसमें ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा निवासी किसान जयंत पांडे का 40 बोरी गेहूं ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर सागर आ रहा था। ट्रैक्टर मुकेश पिता रमेश शुक्ला उम्र 40 साल निवासी तेंदूखेड़ा चला रहे थे। बाजू में विवेक पिता जयंत पांडे उम्र 28 साल और बंटू पिता भगवानदास गौंड उम्र 38 साल, दोनों निवासी आलनपुर तेंदूखेड़ा बैठे थे। तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉली से सागर के लिए रवाना हुए। इसी दौरान गौरझामर के पास नेशनल हाईवे-44 पर नीम घाटी पर ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित हो गया। ड्राइवर जब तक संभाल पाता, ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। घटना में ड्राइवर मुकेश शुक्ला, विवेक पांडे और बंटू गौंड घायल हुए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को देवरी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल ड्राइवर मुकेश को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सड़क पर फैला गेहूं, हाईवे पर लगा जाम: घटना के समय ट्राली में भरा गेहूं सड़क पर फैल गया। ट्रैक्टर भी सड़क पर पड़ा था। जिससे देवरी-सागर मार्ग पर जाम की स्थिति बनी। सूचना पर पुलिस और टोल नाके की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से ट्रैक्टर-ट्राली को सड़क से हटवाया गया। गेहूं को भी उठाया गया। जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

मंदसौर में चचेरे भाई ने तलवार से किया हमला घर के बाहर खड़ा था युवक पीछे से आकर अचानक किया वार

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले के अरनिया निजामुद्दीन गांव में

18 वर्षीय अर्जुन पिता गिरधारी लाल पर शनिवार रात उसके ही बड़े पापा के बेटे ने तलवार से हमला कर दिया। घटना में अर्जुन के हाथ पर गंभीर चोट आई है, जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, अर्जुन के ऊपर हमला करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसके बड़े पापा कारूलाल का बेटा राम सिंह बताया जा रहा है। घटना के समय आरोपी शराब के नशे में था। बताया जा रहा है कि अर्जुन अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी राम सिंह वहां पहुंचा और उसे गालियां देने लगा। जब अर्जुन ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान राम सिंह घर के अंदर गया और तलवार लेकर वापस आया। उसने पीछे से अर्जुन पर हमला कर दिया, जिससे अर्जुन के हाथ में गंभीर चोट लग गई।

परिजनों ने बीच-बचाव किया: घटना के दौरान परिजनों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला और घायल अर्जुन को तुरंत जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिजनों के अनुसार, घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

बाइकों की टक्कर में 2 लोग गंभीर घायल

सलामतपुर,एजेंसी। भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर शनिवार दोपहर बेरखेड़ी चौराहा के पास कौंसाखेड़ी जोड़ पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहगीरों और ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। एक युवक को निजी वाहन से भेजा गया। दूसरे घायल पप्पू को 108 एंबुलेंस से सांची सिविल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे विदिशा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल हुए हैं। दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

छिंदवाड़ा में बाघ की हत्या का खुलासा : जहर देकर मारकर दफनाया, खेत में मिली अवैध अफीम की खेती

छिंदवाड़ा ,एजेंसी। छिंदवाड़ा के तामिया क्षेत्र में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने मवेशियों को नुकसान से बचाने के नाम पर बाघ को जहर देकर मार दिया और जंगल में दफना दिया। जांच में सामने आया कि जिस खेत में घटना हुई वहां अवैध अफीम की खेती भी की जा रही थी।छिंदवाड़ा जिले के तामिया क्षेत्र के छातीआम गांव में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जिस खेत में बाघ को जहर देकर मारा गया, वहां अवैध रूप से अफीम की खेती भी की जा रही थी। वन विभाग की टीम को खेत में बड़ी संख्या में अफीम के पौधे मिले हैं। वन विभाग ने इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

450 पुलिसकर्मियों ने 196 अपराधी पकड़े मंदसौर में अवैध शराब जुआ-सट्टा और गुंडा आरोपी पकड़ाए

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मंदसौर पुलिस ने व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस दौरान पूरी रात चली सख्त कार्रवाई में पुलिस ने 196 वारंटियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की।

एसपी विनोद कुमार मीना के निर्देश पर एडिशनल एसपी टी.एस. बघेल और एएसपी (गरोठ) हेमलता कुरील के मार्गदर्शन में जिलेभर के सभी राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस अभियान को अंजाम दिया जिसमें 43 गश्त पार्टियों के माध्यम से 450 से अधिक पुलिस अधिकारी

और कर्मचारी शामिल रहे।

117 स्थायी और 75 गिरफ्तारी वारंटी दबोचे: कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 117 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किए गए, जिनमें विभिन्न धाराओं के आरोपी शामिल हैं। वहीं 75 गिरफ्तारी वारंटियों की तामील भी की गई। थाना कोतवाली, वायडी नगर, सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़, गरोठ सहित जिले के सभी थानों ने इस कार्रवाई में सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान के दौरान पुलिस ने 183 हिस्ट्रीशीटर, निगरानीशुदा और गुंडा बदमाशों की सघन चेकिंग की। इसमें 83 निगरानी बदमाश और 100 अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चेक कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब के 41 प्रकरण दर्ज करते हुए 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 253.66 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 64,740 रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने जुआ-सट्टा के 5 मामलों में कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों से 8,700 रुपये नकद जब्त किए। वहीं धारा 151 के तहत 8 प्रकरणों में 15 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए इस प्रकार के कॉम्बिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे ।

काहरी डैम से पानी चोरी करते 8 मोटर जब्त सीहोर शाजापुर सीमा पर पेयजल के लिए आरक्षित है पानी

सीहोर,एजेंसी। सीहोर नगर के लिए आरक्षित पेयजल की चोरी करते हुए आठ विद्युत मोटरें जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई रविवार को सीहोर-शाजापुर जिले की सीमा पर पार्वती नदी के काहरी डैम से की गई। नगर पालिका परिषद की टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। नगर पालिका परिषद सीहोर की टीम ने पार्वती नदी पर बने काहरी डैम पर छापा मारा। यहां से पेयजल के लिए आरक्षित पानी की चोरी की जा रही थी। प्रशासन और नगर पालिका द्वारा पेयजल चोरी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

सीहोर-शाजापुर जिले के लिए आरक्षित है पानी: जब्त की गई सभी मोटरें सीहोर-शाजापुर जिले की सीमा से मिलीं। बताया गया है कि शाजापुर जिले के कुछ किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए काहरी डैम से पानी चोरी कर रहे थे। उन्हें बार-बार पानी चोरी न करने की हिदायत दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद बड़े बिजली की मोटरों का उपयोग कर पानी चुराया जा

रहा था। उल्लेखनीय है कि पार्वती नदी का काहरी डैम सीहोर नगरीय क्षेत्र के लिए पेयजल आपूर्ति का मुख्य स्रोत है। यहां पेयजल के लिए पानी का भंडारण किया जाता है और इसे विशेष रूप से आरक्षित रखा जाता है। पानी चोरी की लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद यह कार्रवाई की गई।

छतरपुर में युवक को गोली मारी 20 साल पुराने विवाद में राजीनामा के दबाव का आरोप, आरोपी फरार

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर जिले के गौरिहार थाना क्षेत्र में एक युवक को गोली मारने का मामला सामने आया है। गहवरा गांव में चार आरोपियों ने 24 वर्षीय नितिन प्यासी के पैर में गोली मार दी।

यह घटना पुराने विवाद में राजीनामा का दबाव बनाने को लेकर हुई। जानकारी के अनुसार, नितिन प्यासी बीती रात करीब 2 बजे अपने भाई चंद्रहास प्यासी के साथ खेत पर लगे बोर का पानी देखने गए थे। वापस लौटते समय गांव के नीरज मिश्रा, धीरज मिश्रा, बद्री और रामसुहावन ने उनका रास्ता रोक लिया। बताया जा रहा है कि नितिन के पिता श्रीराम प्यासी के साथ करीब 20 साल पहले मारपीट की एक गंभीर घटना हुई थी। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास (धारा 307) का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वे जेल भी जा चुके हैं। यह मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है।

इसी पुराने विवाद को लेकर आरोपियों ने नितिन पर राजीनामा करने का दबाव बनाया। जब नितिन ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उसका पीछा किया और खेत में घेरकर अवैध हथियार से फायर कर दिया। गोली नितिन के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल नितिन को तत्काल गौरिहार उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर

कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गौरिहार थाना प्रभारी रूपनाथ पटेल ने बताया कि गनशॉट हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले के हर पहलू पर जांच कर रही है और जांच उपरांत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दमोह में पुलिस ने पकड़ी 200 पेटी अवैध शराब मकान के अंदर पिकअप में थी लोड

दमोह,एजेंसी।

दमोह जिले की पथरिया थाना पुलिस ने रविवार दोपहर रेलवे पुलिया के पास एक मकान से 200 पेटी अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब जब्त करने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह कार्रवाई 1 अप्रैल से नए शराब ठेके शुरू होने से पहले अवैध शराब के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत की गई है।

जानकारी के अनुसार, पथरिया पुलिस को रेलवे पुलिया के पास एक घर में अवैध शराब रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर टीआई अमित मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मकान के अंदर खड़े वाहन क्रमांक स्क्रा 5 छ 3949 की तलाशी लेने पर उसमें लगभग 100 पेटी अवैध शराब

लदी मिली।

पुलिस टीम ने जब मकान की छत की तलाशी ली, तो वहां 100 से अधिक शराब की पेटियां जमा कर रखी हुई पाई गईं। पुलिस ने इन सभी पेटियों को भी जब्त कर लिया। कुल मिलाकर, पुलिस ने इस कार्रवाई में 200 से अधिक पेटी अवैध शराब बरामद की है।

मौके से केवल शराब ही नहीं, बल्कि भारी मात्रा में शराब की बोतलों के ढक्कन और बड़ी पानी की टंकियां भी बरामद हुई हैं। इतनी बड़ी संख्या में ढक्कनों की बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि यहां न केवल शराब का भंडारण किया जा रहा था, बल्कि संभवतः अवैध तरीके से बोतलों की रिफिलिंग या मिलावट का काम भी चल रहा था।

पिपरिया में बिजली लाइन से नरवाई में आग ग्रामीणों ने पेड़ की टहनियों से बुझाई, गेहूं की फसल सुरक्षित बची

पिपरिया एजेंसी। पिपरिया के बनखेड़ी स्थित ग्राम खरसली में शनिवार को 11 केवी बिजली लाइन का तार टूटने से गेहूं के खेत की नरवाई में आग लग गई। ग्रामीणों की तत्परता से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सरपंच गजेंद्र पटेल ने बताया कि ग्राम खरसली में खसरा क्रमांक 71/3 रकबा 0.94 हेक्टेयर पर स्थित पीताम्बर चौकसे (निवासी कामती) के खेत के पास यह घटना हुई। खेत मुख्य मार्ग पर स्थित है और इसके बाजू से कृषि फीडर तथा डीएलएफ फीडर की 24 घंटे बिजली आपूर्ति वाली लाइनें गुजरती हैं। डीएलएफ

फीडर की 11 केवी लाइन का तार टूटने से स्पार्किंग हुई, जिससे नरवाई में आग भड़क उठी। आसपास के खेतों में गेहूं की खड़ी फसल को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई की।आग लगने की सूचना मिलते ही सरपंच गजेंद्र सिंह पटेल, उपसरपंच अर्जुन उइके सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। उन्होंने पेड़ों की हरी टहनियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और आग को फैलने से रोक दिया।

दमकल के पहुंचने से पहले पाया आग पर काबू:सरपंच ने तुरंत थाना प्रभारी और नायब तहसीलदार को घटना की सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड को भी मौके के लिए रवाना किया गया, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया था। इस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और आसपास खड़ी गेहूं की फसल सुरक्षित बच गई।

बुरहानपुर में तरबूज किसानों को नुकसान कैप्सूल आकार के बीज से गोल फल उगे व्यापारी खरीदने को तैयार नहीं

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र के नावरा और डाभियाखेड़ा गांवों के किसान तरबूज की फसल को लेकर परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें कैप्सूल आकार के तरबूज के बीज बेचे गए थे, लेकिन खेतों में गोल आकार के तरबूज पैदा हुए। इस कारण व्यापारी उनका माल खरीदने से इनकार कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

नावरा गांव के किसान नितिन काशीनाथ चौधरी ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में 40 हजार तरबूज के रोपे लगाए थे। ये बीज बुरहानपुर की एक एग्रो एजेंसी से खरीदे गए थे। एजेंसी संचालक ने बेहतर उत्पादन और कैप्सूल जैसे लंबे, लगभग 5 किलो वजनी तरबूज पैदा होने का आश्वासन दिया था।

हालांकि, फसल तैयार होने पर तरबूज गोल आकार के और केवल एक से ढाई किलो वजनी निकले। बाजार में कैप्सूल आकार के तरबूज की अधिक मांग होने के कारण व्यापारी इन गोल तरबूजों को खरीदने से मना कर रहे हैं। स्थानीय किसान भी लंबे समय से गोल आकार के तरबूज नहीं उगाते हैं।

डाभियाखेड़ा के किसान आमीन अमीर शेख ने बताया कि उन्होंने फसल पर लगभग 2 लाख रुपये खर्च किए हैं, लेकिन व्यापारी उनका माल उठाने में आनाकानी कर रहे हैं।

इस मामले में बीज बेचने वाले दुकान संचालक का कहना है कि उन्होंने कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ही किसानों को बीज उपलब्ध कराए हैं और इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। किसान इस धोखाधड़ी की शिकायत जिला प्रशासन से करने की तैयारी कर रहे हैं।

तीन साल के बेटे के खून से रंग लिए हाथ, कलेजे के टुकड़े को कुल्हाड़ी से काट डाला

रूपझर एजेंसी। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम केसलई में एक पिता रतन सिंह उइके ने गुस्से में अपने 3 वर्षीय बेटे की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।रिश्तों को कलंकित करने वाली एक ऐसी रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है।जिला मुख्यालय से दूर रूपझर थाना अंतर्गत ग्राम केसलई में एक पिता ने अपने ही तीन वर्षीय मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी।जिस पिता के साये में बच्चे खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं, उसी पिता के सिर पर खून सवार हुआ और उसने अपने ही कलेजे के टुकड़े को मौत के घाट उतार दिया।जानकारी के मुताबिक, रतन सिंह उइके मूल रूप से ग्राम टिकरिया का रहने वाला है।जिसकी शादी सात वर्ष पूर्व सुनीता से हुई है और शादी के बाद से वह अपने ससुराल केसलई में रहने लगा था और मजदूरी कर रहा था जिसके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा छह वर्ष की बड़ी बेटी है और बेटा वीरेंद्र कुमार 3 वर्ष का था।रतन सिंह अपने बच्चों को डांट फटकार लगाते रहता था।

रतलाम में 17 वर्षीय लड़का-लड़की की संदिग्ध हालत में मौत

एक ही मोहल्ले के दोनों को उल्टी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया, इलाज के दौरान तोड़ा दम

रतलाम,एजेंसी। रतलाम जिले के नामली थाना क्षेत्र के उसगार गांव में एक ही मोहल्ले के रहने वाले 17 वर्षीय लड़का और 17 वर्षीय लड़की की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। दोनों को उल्टी होने के बाद परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान आधे-आधे घंटे में दोनों की मौत हो गई। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 7 बजे लड़की को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां एक बॉटल चढ़ाने के दौरान ही उसकी मौत हो गई। वहीं, रात करीब 10 बजे लड़के को भी परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद उसकी भी मौत हो गई।

प्रेम प्रसंग की चर्चा, परिजन कर रहे इनकार:

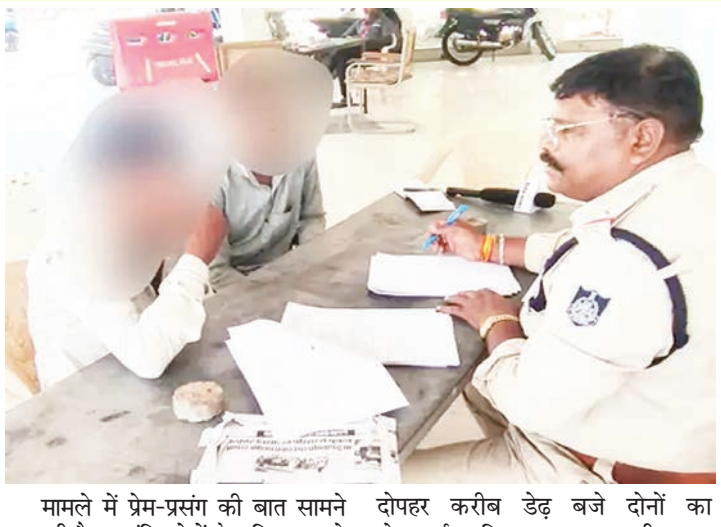

मामले में प्रेम-प्रसंग की बात सामने आ रही है, हालांकि दोनों के परिजन इससे साफ इनकार कर रहे हैं और इस संबंध में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे दोनों का पोस्टमार्टम किया गया। नामली थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर परिजनों के बयान लिए और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई।

दोनों परिवारों ने उल्टी के बाद तबीयत बिगड़ने की बात कही है। पुलिस ने उम्र संबंधी दस्तावेज भी मांगे हैं। मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी से सूचना मिलने के बाद नामली थाना पुलिस जांच में जुटी। एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल और एसडीओपी किशोर पाटनवाला ने भी मौके पर पहुंचकर दोनों के घरों का निरीक्षण किया।

परिवारों के बयान: अचानक बिगड़ी तबीयत:

लड़की के पिता ने बताया कि वे पत्नी के साथ खेत पर थे, तभी घर से फोन आया कि बेटी को उल्टी हो रही है और घबराहट है। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वहीं, लड़के के बड़े भाई ने बताया कि वह काम पर गया था। घर से सूचना मिली कि भाई की तबीयत खराब है। परिजन उसे रात में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक मजदूरी करता था और उसके माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है।

पीएम रिपोर्ट से होगा खुलासा:

दोनों के घर पास-पास होने के कारण पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही है।

घरों से कोई जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार दोनों ने संभवतः कोई अज्ञात पदार्थ खाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

एसडीओपी किशोर पाटन वाला ने बताया किशोर-किशोरी द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। दोनों का पीएम कराया है। जहर क्यों खाया इस बारे में जांच की जा रही है।

जल जीवन मिशन में गुणवत्ता पर उठे सवाल, जल निगम के DTL पर पद के दुरुपयोग के आरोप

साधना एक्सप्रेस रीवा/जवाः

मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

मामला जवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बसरेही से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां के निवासी प्रवीण सिंह, जो वर्तमान में जल निगम में DTL पद पर कार्यरत हैं, अपने ही गृह क्षेत्र और संबंधित ब्लॉक में पदस्थ हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण की जिम्मेदारी, फिर भी उठ रहे सवाल

जानकारी के अनुसार DTL पद पर रहते हुए प्रवीण सिंह की भूमिका SQC (स्ट्रक्चरल क्वालिटी कंट्रोल) से जुड़ी हुई है। इस पद के तहत कार्यों का मापन, बिलिंग और गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी होती है।

लेकिन आरोप है कि अपने ही क्षेत्र में पदस्थ होने के कारण वे अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं।

ठेकेदारों पर दबाव बनाने का आरोप

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि वे ठेकेदारों पर व्यक्तिगत मांगों की पूर्ति के लिए दबाव बनाते हैं। आरोप यह भी है कि ऐसी स्थिति में कई बार काम की गुणवत्ता से समझौता होने की आशंका बन जाती है।

ग्रामीणों को दिए जाते हैं भ्रामक आश्वासन

बताया जा रहा है कि कई मामलों में ग्रामीणों को भ्रामक और अवास्तविक आश्वासन दिए जाते हैं। बाद में जब कार्य समय पर या अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाता, तो ग्रामीणों में असंतोष और आक्रोश बढ़ जाता है और कई बार काम भी बाधित हो जाता है।

विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

एक महत्वपूर्ण तकनीकी पद पर रहते हुए यदि इस प्रकार के आरोप सामने आते हैं, तो इससे न केवल जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेकर जांच करता है और क्या कार्रवाई होती है।

बैरसिया के लालरिया ग्राम पर 2 करोड़ रुपये बिजली बिल बकाया

बड़े बकायादारों के होंगे बैंक अकाउंट होल्ड ,शास्त्र लाइसेंस अन्य रजिस्ट्रेशन करवाएंगे रद्द

भोपाल। भोपाल के बैरसिया तहसील अंतर्गत ग्राम लालरिया डीसी के कई गांव सत प्रतिशत बिजली बकाया के कारण पूरी पूरी तरह से अंधेरे में डूबे। बिजली विभाग द्वारा रविवार को ललारिया डीसी के ललारिया और सोहाया गांव के ट्रांसफार्मर एवं विद्युत सप्लाई बंद कर दिया गया है। बिजली विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ललारिया गांव पर बकाया 2 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। वही सोहाया गांव में 21 लाख रुपए बकाया है । लालारिया डीसी में बकाया वाले कनेक्शन को ष्ट्रक्नएक्शन के तहत पूर्व में नोटिस भी भेजे जा चुके हैं। लेकिन इसके बाद भी बकाया राशि नहीं चुकाई गई। जिन बड़े बकायादारों को नोटिस दिए गए हैं। अब बिजली विभाग उनके बैंक अकाउंट होल्ड ,शास्त्र लाइसेंस सहित अन्य रजिस्ट्रेशन रद्द करवाने जैसी कार्यवाही करेगा।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति में मात्र 02 दिन शेष

31 मार्च 2026 तक संपत्तिकर जमा करें और अधिभार (सरचार्ज) में छूट का लाभ उठायें, अन्यथा 01 अप्रैल से देनी होगी दोगुनी राशि

भोपाल, नप्र। नगर निगम, भोपाल द्वारा करदाताओं की सुविधा एवं शासन के आदेश अनुसार 31 मार्च 2026 तक संपत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार का भुगतान करने पर अधिभार (सरचार्ज) पर 100 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। 01 अप्रैल 2026 से स्वयं के उपयोग वाली संपत्तियों पर दोगुनी राशि देना पड़ेगी। निगम द्वारा करदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत रविवार अवकाश सहित अन्य अवकाश के दिनों में भी वार्ड एवं जोन कार्यालय खुले रहेंगे। निगम प्रशासन ने करदाताओं से अपील की कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में मात्र 03 दिन शेष हैं। अंतिम तारीख का इंतजार न करें 31 मार्च 2026 तक संपत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में दी जा रही छूट का लाभ उठायें और असुविधा से बचें। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर रविवार सहित अन्य अवकाशों में भी वार्ड एवं जोन कार्यालय खुले रखने तथा राज्य शासन के आदेश अनुसार संपत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में नियमानुसार छूट देकर अधिक से अधिक करों का भुगतान कराने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम के सभी वार्ड एवं जोन कार्यालय रविवार, 29 मार्च 2026 को खुले रहेंगे और संपत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में छूट देकर करों की राशि जमा की जायेगी। 31 मार्च 2026 तक ऐसे करदाता जो स्वयं के आवासीय उपयोग की संपत्तियों पर करों का भुगतान करते हैं उनके द्वारा यदि 31 मार्च 2026 तक अपने बकाया करों का भुगतान नहीं किया जाता है तो ऐसे करदाताओं को संपत्तिकर में दी जाने वाली 50 प्रतिशत की छूट समाप्त कर दी जायेगी और 100 प्रतिशत संपत्तिकर का भुगतान करना होगा। निगम प्रशासन ने करदाताओं से अपील की है कि वे निगम को देय करों का भुगतान 31 मार्च 2026 तक करें और अधिभार (सरचार्ज) में नियमानुसार दी जा रही छूट का लाभ उठायें। करदाता अपने करों का भुगतान निगम के वार्ड कार्यालयों के अलावा निगम की वेब साईट www.bmconline.gov.in पर भी कर सकते हैं।

निगम अमले ने परीक्षण हेतु 128 जल के नमूने एकत्र किए,

43 लीकेज सुधारे और 03 शिकायतों का किया निराकरण

भोपाल, नप्र। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने हेतु पानी की गुणवत्ता की जांच, लीकेज सुधार एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण संबंधी कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने शनिवार को विभिन्न झुग्गी बस्तियों सहित संपूर्ण शहर से जल के परीक्षण हेतु कुल 128 स्थानों से जल के नमूने लिये गये। निगम द्वारा 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल का परीक्षण किया जा रहा है। निगम अमले ने 43 स्थानों पर पाईप लाईनों के लीकेज सुधारे और सी.एम.हेल्पलाईन एवं महापौर हेल्पलाईन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में से 03 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण किया गया। महापौर श्रीमती मालती राय के निर्देश एवं निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के आदेश पर नगर निगम, भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दलों ने शहर की झुग्गी बस्तियों सहित संपूर्ण शहर में कुल 128 जल के नमूने लेकर गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन, पीएच, टरबीडिटी व बैक्टेरिया की जांच 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से कराई जा रही है। निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 43 स्थानों पर पाईप लाईनों के लीकेज भी सुधारे और सी.एम.हेल्प लाईन, महापौर हेल्प लाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों में से 03 शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्ण ढंग से किया। निगम अमले ने अभी तक झुग्गी बस्ती क्षेत्रों के 6695 स्थानों सहित शहर में कुल 14591 जल के नमूने लेकर 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल की गुणवत्ता की जांच कराई साथ ही 3297 लीकेज सुधारे। निगम अमले ने वर्तमान तक 9726 सीवेज चेम्बरों की सफाई कराई।

महापौर मालती राय ने किया नारी शक्ति सम्मान समारोह ''माहिका'' का शुभारंभ

भोपाल, नप्र। महापौर श्रीमती मालती राय ने नारी शक्ति सम्मान समारोह ''माहिका'' का शुभारंभ किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने शनिवार को लायंस इंटरनेशनल द्वारा होटल रेडीसन में नारी शक्ति सम्मान समारोह ''माहिका'' का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने नारी शक्ति का सम्मान एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहनों के उत्साहवर्धन हेतु आयोजित कार्यक्रम की सराहना की और सम्मानित नारियों एवं आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती प्रियंका मिश्रा के अलावा वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती डॉली शर्मा, समाजसेवी श्री रामबाबू शर्मा सहित लायंस इंटरनेशनल के सदस्य व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मंत्री सारंग ने दी अशोक विहार के रहवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात

भोपाल, नप्र। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 69 स्थित भगत सिंह पार्क, अशोक विहार में पानी की टंकी निर्माण कार्य सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि अशोक विहार में बनने वाली पानी की टंकी के निर्माण से अशोक विहार कॉलोनी, अशोका गार्डन बी-सेक्टर, बैंक नगर कॉलोनी, मयूर विहार, अमृत कॉम्प्लेक्स सहित आजाद नगर क्षेत्र के हजारों रहवासी लाभान्वित होंगे। मंत्री श्री सारंग ने पूर्व की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय नरेला विधानसभा के रहवासियों को पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। किंतु आज नरेला के हर घर में नर्मदा का जल पहुंचाया जा चुका है, जिससे जल संकट की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित हुआ है।

मंत्री श्री सारंग ने आगे कहा कि प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक मोहल्ले में सर्वसुविधाओं का विस्तार हो सके इसके लिए विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़क, बिजली, पानी, नाली, स्वच्छता, सामुदायिक संरचनाओं सहित अनेक विकास के माध्यम से नरेला विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित किया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि निरंतर विकास कार्यों को गति दी जा रही है और जनहित से जुड़े हर विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने इन विकास कार्यों के लिए मंत्री श्री सारंग का आभार व्यक्त किया।

कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना की अध्यक्षता में मंडी बोर्ड की बैठक सम्पन्न

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड की वार्षिक बजट बैठक (बोर्ड) बैठक का आयोजन अध्यक्ष कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उक्त बैठक में सचिव निशांत बरबड़े किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन ,आयुक्त सह प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम , देवेंद्र पी सिंह जॉइंट कमिश्नर सहकारिता, मंडी बोर्ड सदस्य अरुण सोनी ऑनलाइन जुड़े अनुराग सक्सेना अपर प्रबंध संचालक, आर आर अहिरवार अपर संचालक, मधुकर पवार अधीक्षण यंत्री , भारत भूषण सिंह चौधरी अधीक्षण यंत्री, योगेश नागले सहायक संचालक तथा मंडी बोर्ड के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रृंखला - 56 के अंतर्गत

नई कविता पर साहित्यिक विमर्श तथा कविता पाठ का आयोजन

भोपाल, नप्र। तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रृंखला - 56 के अंतर्गत नई कविता पर साहित्यिक विमर्श तथा कविता पाठ का आयोजन किया गया। डा.मोहन तिवारी आनंद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नई कविता के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों की उपादेयता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे विमर्श रचनाकारों के रचना कौशल को निखारने की कार्यशालाएं होते हैं। तुलसी साहित्य अकादमी का इस तरह के आयोजन करने का मूल उद्देश्य ही नये रचनाकारों को प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डा.शिव कुमार दीवान ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा.राजेश तिवारी, सारस्वत अतिथि सुरेश पटवा, एवं विशिष्ट अतिथि कर्नल गिरिजेश सक्सेना और श्री वी.के.श्रीवास्तव रहे। मंचस्थ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती का पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डा.राजेश तिवारी ने सरस्वती वंदना का सस्वर पाठ किया तदुपरांत पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर काव्यपाठ हुआ।

मुख्य अतिथि डा. राजेश श्रीवास्तव ने गोष्ठी में सहभागी रचनाकारों की रचनाओं पर समीक्षात्मक टिप्पणी की। सारस्वत अतिथि सुरेश पटवा में गोष्ठी में हुए विमर्श पर समीक्षात्मक विवेचना करते हुए कहा कि इस तरह के विमर्श ने रचनाकारों को सीखने के अवसर उपलब्ध कराते हैं। विशिष्ट अतिथि वीरेंद्र श्रीवास्तव कहा ने तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित सृजन श्रृंखला के अंतर्गत किए जाने वाले साहित्यिक आयोजन उत्कृष्ट श्रेणी के हो रहे हैं तथा शहर के रचनाकारों को उचित अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पवन कुमार जैन ने नई कविता पर विचार रखे।

आंधी-बारिश, कई इलाकों में ओलों का खतरा

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश में रविवार से मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। प्रदेश में अगले चार दिन तक आंधी-बारिश का दौर बने रहने के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते यह बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार 30 और 31 मार्च को इसका असर सबसे ज्यादा रहेगा, जब कई हिस्सों में तेज गतिविधि दर्ज की जाएगी। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में इस दौरान ओले गिरने की भी संभावना है।शनिवार को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय रहे मौसम सिस्टम अब आगे बढ़ रहे हैं, जिससे रविवार से इसका प्रभाव व्यापक होगा। आने वाले 24 घंटे में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने का अनुमान है। हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

दिनभर बादल छाए रहेः शनिवार को मध्य प्रदेश में दिनभर बादल छाए रहे। मौसम विभाग का कहना है कि 30 मार्च से सिस्टम ज्यादा असर दिखाएगा। ग्वालियर, भिंड और दतिया में ओलावृष्टि हो सकती है। वहीं भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग के कई जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का असर रहेगा। 31 मार्च को भी हालात ऐसे ही बने रहेंगे। 1 अप्रैल से सिस्टम कमजोर पड़ने लगेगा, लेकिन इसके बावजूद 20 से ज्यादा जिलों में हल्की बारिश होने के संकेत हैं।

अगले 4 दिन ऐसा रहेगा एमपी में मौसम :आंधी-बारिश के चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज होगी, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। फिलहाल अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा बना हुआ है। नर्मदापुरम सबसे गर्म बना हुआ है। मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट का अनुमान जताया है। इससे पहले शनिवार को भी कई शहरों में तापमान में कमी दर्ज की गई। नर्मदापुरम में 1.5 डिग्री गिरावट के साथ पारा 38.5 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं खंडवा में भी इतना ही तापमान रहा। रतलाम में 38.2 डिग्री, खरगोन में 38 डिग्री, बैतूल में 37.7 डिग्री, नरसिंहपुर और खजुराहो में 37.6 डिग्री, मंडला में 37.5 डिग्री, धार और सिवनी में 37.2 डिग्री तथा श्योपुर और सागर में 37 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री, भोपाल में 36.2 डिग्री, इंदौर में 36.5 डिग्री, ग्वालियर में 35.3 डिग्री और उज्जैन में 36.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

मार्च में चौथी बार बदला मौसम :प्रदेश में मार्च के दौरान मौसम बार-बार बदल रहा है। महीने की शुरुआत में तेज गर्मी रही, जबकि दूसरे पखवाड़े में बारिश और आंधी का दौर शुरू हो गया। एक दौर तो लगातार चार दिन तक चला, जिसमें 45 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई और 17 जिलों में ओले गिरे। इससे गेहूं, पपीता और केले की फसलों को नुकसान हुआ। इसके बाद 26-27 मार्च को फिर मौसम बदला। 27 मार्च को सतना, रीवा, दतिया और भिंड में बारिश दर्ज की गई। अब रविवार, 29 मार्च से मौसम चौथी बार बदलने जा रहा है।

अप्रैल-मई में पड़ेगी भीषण गर्मी :मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अप्रैल और मई में गर्मी अपने चरम पर पहुंच सकती है।

दिल्ली में स्कॉच एवार्ड में मध्यप्रदेश पुलिस ने बजाया डंका

हरीनारायणचारी मिश्र, डी श्रीनिवास वर्मा एवं शैलेन्द्र सिंह चौहान ने प्राप्त किया सम्मान

106 स्कॉच सम्मिट 2026 के कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

भोपाल। नई दिल्ली मे स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 106 वें स्कॉच सम्मिट कार्यक्रम का शनिवार को आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस का जोरदार डंका बजा। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस को तीन प्रतिष्ठित स्कॉच एवार्ड से सम्मानित किया गया। जन जागरण, डिजिटल गवर्नेंस एवं साइबर अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यो के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को तीन प्रतिष्ठित स्कॉच एवार्ड से राष्ट्रीय स्तर पर इनामात से नवाजा गया। इस उपलब्धि को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं पुलिस विभाग के समन्वित प्रयासों के सशक्त प्रमाण की तरह देखा जा रहा है।

शनिवार का दिन देश में मध्यप्रदेश पुलिस के नाम रहा जब नई दिल्ली में 106 वें स्कॉच सम्मिट कार्यक्रम में देश भर से आए पुलिस के आला अधिकारियों के बीच मध्यप्रदेश पुलिस के उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए तीन पुरस्कारों से नवाजा गया। भोपाल से दिल्ली पहुंचे पुलिस महानिरीक्षक राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो हरीनारायणचारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी श्रीनिवास वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) शैलेन्द्र सिंह चौहान ने इन पुरस्कारों को प्राप्त किया। जानकारों की माने तो यह तीनों सम्मान मध्यप्रदेश पुलिस की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता, नवाचार की सोच, तकनीकी दक्षता एवं समाज केंद्रित पुलिसिंग के सशक्त उदाहरण है। इस एवार्ड से मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों-अफसरों का मनोबल यकीनन ऊंचा होगा, इसमें कोई संशय नही है। डिजिटल गावर्नेंस एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए विकसित ई सम्मन एवं ई वारंट मॉड्यूल- ए की रिफार्म इन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम नामक परियोजना को स्कॉच एवार्ड से सम्मानित किया गया। इस परियोजना ने आपराधिक न्याय प्रणाली में न्यायालय एवं पुलिस के मध्य समन एवं वारंट प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल, त्वरित एवं पारदर्शी बनाकर एक महत्वपूर्ण सुधार स्थापित किया है। इसके माध्यम से समन एवं वारंट की तामील में होने वाली विलंबता में खासी कमी आई है। इसके अलावा पूरी प्रक्रिया प्रभावी एवं पारदर्शी बनी है। उल्लेखनीय है कि इस व्यवस्था को लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जहां अब तक 28 लाख से अधिक ई-सामन एवं वारंट इलेक्ट्रानिक माध्यम से न्यायालय से पुलिस को प्राप्त हुए है। इसके लिए विशेष सम्मान से मध्यप्रदेश पुलिस को सम्मानित किया गया, इस पुरस्कार को पुलिस महानिरीक्षक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो हरिनारायणचारी मिश्र ने प्राप्त किया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद हरीनारायणचारी का कहना था कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गौरव की बात है। इससे प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और ये पुरस्कार उन्हे और अधिक उत्साह से कार्य करने की प्रेरणा देगा। इसके अलावा मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरण अभियान को नशीले पदार्थो के विरूद्ध व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने एवं युवाओं को जागरूक करने के लिए सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत बैनर-पोस्टर, एफ एम रेडियो, डिजिटल मीडिया, ई-शपथ, रैली, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान एवं परामर्श शिविर जैसे विभिन्न माध्यमों से व्यापक जागरूकता फैलाई गई। अभियान के दौरान कुल 15,143 कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 22.29 लाख नागरिकों एवं विद्यार्थियों तक प्रभावी संदेश पहुंचाया गया। इस उपलब्धि के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक(नारकोटिक्स) डी श्रीनिवास वर्मा ने यह सम्मान प्राप्त किया। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि साइबर सेल को स्कॉच एवार्ड मिलने की रही। पुलिस कमिश्नरेट भोपाल को प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन ऑफ साइबर क्राईम परियोजना के लिए पुलिस एंड सेफ्टी श्रेणी में स्कॉच एवार्ड प्रदान किया गया। भोपाल पुलिस द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम एवं अन्वेषण में किए गए नवाचार, तकनीकी सुदृढ़ीकरण एवं परिणामोन्मुख कार्यो को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। वर्ष 2024-25 के दौरान सभी 37 थानों में साइबर हेल्प डेस्क एवं तकनीकी सेल की स्थापना, 779 पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण 24×7 साइबर पेट्रेलिंग, राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स का प्रीाावी उपयोग एवं इन्वेस्टिगेशन केम्प प्लेटफार्म का विकास इस सफलता के प्रमुख आधार रहे। भोपाल पुलिस के इन प्रयासे के परिणामस्वरूप साइबर फ्रॉड शिकायतों में 33 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई तथा कुल धोखाधड़ी राशि में उल्लेख्नीय गिरावट आई।

|| संपादकीय ||

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है- दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

संवैधानिक संस्थाओं पर उठते सवालों से कमजोर होता लोकतंत्र

देश में समय के साथ लोकतंत्र के परिपक्कव होने के बजाए कमजोर होने की आहट आ रही है। आजादी के बाद देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि संवैधानिक संस्थाओं को पक्षपात के आरोपों के कारण कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। इन संस्थाओं के कामकाज के तौर—तरीकों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इन पर पूरी तरह से सत्तारुढ केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के इशारों पर काम करने करने और विपक्ष के अधिकारों को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोपों के इस घेरे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़, भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक और अब मुख्य चुनाव आयुक्त आ चुके हैं।

लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए 118 विपक्षी सांसदों के समर्थन से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। विपक्षी सांसदों का दावा था कि ओम बिरला ने 'पक्षपातपूर्ण व्यवहार' दिखाया है और उनका कार्यालय अपेक्षित निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहा है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कई बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका पर चर्चा हुई है और कई बार मेरा नाम लिया गया, मेरे बारे में गंदी बातें कही गईं। उन्होंने कहा कि यह सदन भारत के लोगों की अभिव्यक्ति है। यह सदन किसी एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। जब भी हम बोलने के लिए उठते हैं, हमें बोलने से रोक दिया जाता है। ''पिछली बार जब मैंने बात की थी, तब मैंने हमारे प्रधानमंत्री के किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। कई बार मुझे बोलने से रोका गया है। पहली बार लोकसभा के इतिहास में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया है।

> नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 17वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 51% थी। नेशनल एवरेज 66% था। 16वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 52% थी। नेशनल एवरेज 80% था। 15वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 43% थी, जबकि नेशनल एवरेज 76% था।

नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 17वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 51% थी। नेशनल एवरेज 66% था। 16वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 52% थी। नेशनल एवरेज 80% था। 15वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 43% थी, जबकि नेशनल एवरेज 76% था। उन्होंने कुछ सदस्यों की शिकायतों पर भी बात की कि उन्हें माइक्रोफोन की दिक्कतों की वजह से बोलने नहीं दिया गया। शाह ने कहा कि जो कोई भी नियमों का पालन नहीं करेगा या सदन में अनुशासन बनाए नहीं रखेगा, उसका माइक्रोफोन बंद कर दिया जाएगा और कहा कि संसद की कार्यवाही इसी तरह चलनी चाहिए।

लोकसभा स्पीकर बिरला के कामकाज के तौर—तरीकों पर उनको हटाने का प्रस्ताव लाकर नाराजगी जताने से पहले राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़ पर इसी तरह के आरोप लगाते हुए विपक्ष ने दिसंबर 2024 में उन्हें पद से हटाने का नोटिस दिया था। विपक्ष का आरोप था कि राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने आरोप लगाया था कि कि धनखड़ एक सरकारी प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं और एक स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जो अक्सर अनुभवी विपक्षी नेताओं को उपदेश देते हैं और उन्हें सदन में बोलने से रोकते हैं। खरगे ने यह भी दावा किया था कि सदन में हुई गड़बड़ी के लिए स्वयं श्री धनखड़ जिम्मेदार हैं।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विपक्ष का सभापति धनखड़ को हटाने का नोटिस खारिज कर दिया था, जिसमें पक्षपातपूर्ण तरीके से उच्च सदन के संचालन का आरोप लगाते हुए सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने की मांग की गई थी। हरिवंश ने यह कहते हुए विपक्ष का नोटिस खारिज कर दिया कि यह तथ्यों से परे है और इसका मकसद केवल प्रचार हासिल करना है। उपसभापति ने कहा था कि धनखड़ के खिलाफ नोटिस अनुचित और त्रुटिपूर्ण है, जिसे उपराष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए जल्दबाजी में तैयार किया गया है। राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी को सौंपे अपने फैसले में हरिवंश ने कहा कि नोटिस देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा कम करने और मौजूदा उपराष्ट्रपति की छवि खराब करने की साजिश का हिस्सा है।

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) के घटक दलों ने सभापति धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस 10 दिसंबर को राज्यसभा के महासचिव को सौंपा था। नोटिस पर कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और कई अन्य विपक्षी दलों के 60 नेताओं ने हस्ताक्षर किए थे। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, डीएमके नेता तिरुचि शिवा और टीएमसी के नेता डेरेक ओब्रायन ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर रॉय, राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी, मुख्य सचेतक जयराम रमेश, वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला तथा कई अन्य सीनियर सदस्यों ने धनखड़ के खिलाफ दिए गए नोटिस पर हस्ताक्षर किए थे।

संसद के दोनों सदनों के प्रमुखों के खिलाफ हटाने के प्रयासों के अलावा विपक्षी दलों ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने के संबंध में लोकसभा और राज्यसभा में सौंपा है। एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया का इस्तेमाल भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि जिस तरह लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को हटाने के विपक्ष के प्रयास सफल नहीं हो सके, उसी तरह मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग के भी पारित होने की संभावना क्षीण है। विपक्ष के पास महाभियोग पारित कराने के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं है। इस तरह के संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को हटाने के लिए एकजुट विपक्ष के प्रयास बेशक सफल नहीं हो पाएं, किन्तु ऐसे प्रयासों से इन पदों की गरिमा कम हुई है। देश में विपक्ष को पूरी तरह से खारिज करके मजबूत लोकतंत्र की तरफ नहीं बढ़ा जा सकता।

संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर उठते सवालों के घेरे में भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (कैग) का पद भी आ चुका है। इस पद के चयन के लिए कमेटी बनाने की मांग पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका लंबित है। एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन की याचिका में कहा गया है कि अभी कैग की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते हैं। इस पद की अहमियत को देखते हुए इसके लिए योग्य और निष्पक्ष व्यक्ति का चयन जरूरी है इसलिए, सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता विपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की कमेटी के जरिए कैग के चयन का आदेश दे। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चुका है।

संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर उठते सवाल भारतीय लोकतंत्र में एक गंभीर विषय बन गए हैं। इन संस्थाओं को परिपक्वता से काम करना चाहिए ताकि उन पर सवाल न उठें। विपक्ष का आरोप है कि इन संस्थाओं का इस्तेमाल राजनीतिक हितों के लिए किया जा रहा है, वहीं सरकार का कहना है कि वे संविधान के अनुसार काम कर रही हैं। यह बहस लोकतंत्र के लिए जन आंदोलन का रूप ले चुकी है।

• योगेन्द्र योगी

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आई पी एल की पर्यटन टिकट

क्रिकेट के जादू से सराबोर इक तमाशा तेरे शहर, तू गुलदस्ता चुने या औकात बदल ले, ये तुम पे टिका है। आई पी एल का कारवां फिर इस सीजन का ट्रैफिक धर्मशाला लाएगा और जहां धौलाधार और मौसम की निगाह से गुजरेगा सारा समां। इस बार पंजाब किंग्स की मेजबानी में दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु की टीमें जब पिच पर होंगी तो मैदान की घास भी उम्मीदों की हरियाली की तरह स्वागत में बिछ जाएगी। यानी जो तमाशे मुंबई, दिल्ली या बंगलुरु जैसे महानगरों में होते हैं, वे हिमाचल के छोटे से शहर में विराजमान होंगे। क्या हम इस जुनून से पर्यटन की बेहतरी कर पाए। क्या हम खेल पर्यटन से अपनी किश्ती चला पाए। कई सालों से हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का मक्का बने धर्मशाला को इसकी ख्याति का ईनाम दे पाए। इस दौरान पर्यटन की योजनाएं बनीं, एशिया डिवलेपमेंट बैंक के सहयोग से कई परियोजनाएं सामने आईं, लेकिन किसी ने मुड़कर नहीं देखा कि क्रिकेट के कारवां को आगे कहां तक ले जाएं। आई पी एल के तीन मैचों का विशेषण करें या खेल प्रेमियों पर सर्वेक्षण करें, तो मालूम होगा कि यह सफर कितना आगे बढ़ सकता है। विडंबना यह है कि पर्यटन निगम की एक भी प्रॉपर्टी इस लिहाज से नहीं बनी कि सारा उत्साह, इनके प्रांगण तक पहुंच जाता। जो खेल प्रेमी आई पी एल की टिकट पर धर्मशाला आएंगे, वे अपना पूरा सप्ताह हिमाचल में कैसे गुजारें इस पर मंथन होना चाहिए। मैचों की घोषणा के बाद या तो प्राइवेट वोल्वो बसों ने अपने मंतव्य तय कर लिए या एयरलाइंस की फ्लाइट्स ने अपने मुनाफे के शैड्यूल तय कर लिए। प्रदेश चाहे तो इस अवसर की रूह से अपने परिवहन, मेहमाननवाजी और पूरे पर्यटन क्षेत्र की आबो हवा बदल सकता है।

साहसिक खेलों के आसमान को आगे बढ़ाते हुए पौंग झील जलाशय को वाटर स्पोर्ट्स और मनोरंजन की किश्तियों में भर सकता है। इस दौरान कई फूड फेस्टिवल और पहाड़ी व्यंजनों के मेले सजा सकता है। इतना ही नहीं आर्ट फेस्टिवल से गीत-संगीत समारोहों के दरवाजे खोल सकता है। धर्मशाला में आई पी एल की संभावना प्रवेश द्वारों पर देखें, तो ऊना व जसूर-नूरपुर की फिजाओं में रंग भरे जा सकते हैं। हाईवे पर्यटन को ही मजबूत करें, तो कितनी ही सडक़ों पर हिमाचल की आर्थिकी मजबूत हो सकती है। क्रिकेट प्रेमी अपने साथ हिमाचल के लिए कई संभावनाएं भी ला रहे हैं। उन्हें आकर्षक पैकेज बनाने में क्या हिमाचल पर्यटन निगम मदद करेगा। क्या पर्यटन विभाग ने हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर अपनी इटिनेररी जोड़ी। क्रिकेट के यात्रा कार्यक्रम में हिमाचल के मंदिर, झीलें, टी गार्डन, ऐतिहासिक-धरोहर स्थल, हिल स्टेशन तथा साहसिक खेलों के स्थल जुड़ जाएं, तो हम इस अवसर का दोहन कर सकते हैं, वरना इस शोर में हमारी मंजिलें खामोश ही रहेंगी। दूसरी ओर अगर क्रिकेट की संगत में बाकी खेल संगठन भी आगे बढ़ें, तो हिमाचल के हर आयोजन में पर्यटन का धंधा फले-फूलेगा। दरअसल इवेंट पर्यटन की तासीर में कई अभियान अधूरे हैं। अब अगर सैलानी ट्रैकिंग के लिए आ रहे हैं, तो न पर्वतारोहण संस्थान और न ही पर्यटन विभाग कुछ खास कर रहा है, बल्कि निजी प्लेयर यात्रा कार्यक्रम को विस्तार दे रहे हैं। निजी क्षेत्र ने कुछ समय में हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों की 'धाम' को परोस कर पर्यटकों का अनुभव बढ़ा दिया, तो इसी तरह खान-पान, मनोरंजन, सुकून, खरीद-फरोख्त जैसे अनुभवों की बिसात पर पर्यटन की प्लानिंग आगे बढऩी चाहिए। अगर धर्मशाला में प्रस्तावित टूरिस्ट विलेज की परियोजना ही मुकम्मल होती तो क्रिकेट की टिकट से उसके अस्तित्व की हलचल भी बढ़ जाती।

टेक्नोलॉजी

अब जैकेट में भी आने लगा एयरबैग, कैसे और कहीं भी गिर जाओ नहीं लगने देगी चोट

तकनीक जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है वह अब सिर्फ स्मार्टफोन या गाड़ियों तक सीमित नहीं रही. अब ऐसे स्मार्ट कपड़े भी तैयार हो रहे हैं जो सीधे हमारी सुरक्षा से जुड़े हैं. हाल ही में एक खास तरह की एयरबैग जैकेट चर्चा में आई है जो गिरने की स्थिति में खुद ही एक्टिव होकर शरीर को चोट लगने से बचाने का काम करती है. यह तकनीक खासतौर पर बुजुर्गों और उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है जिन्हें गिरने का ज्यादा खतरा रहता है.

कैसे काम करती है ये स्मार्ट जैकेट और क्या है तकनीक - इस जैकेट में एक एडवांस्ड सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है जो किसी भी गिरावट को बेहद कम समय, करीब 0.18 सेकंड के भीतर पहचान कर एक्टिव हो जाता है. इस तकनीक की खास बात यह है कि जैकेट के अंदर एक स्मार्ट चिप लगी होती है जो हर सेकंड हजारों बार शरीर की स्थिति और मूवमेंट पर नजर रखती है. जैसे ही उसे महसूस होता है कि व्यक्ति गिर सकता है या गिर चुका है जैकेट तुरंत एयरबैग की तरह फुलकर सुरक्षा कवच बना लेती है. इससे गिरने के दौरान लगने वाली चोट का असर काफी हद तक कम

हो जाता है.

हालांकि इस पूरी तकनीक के सही तरीके से काम करने के लिए जैकेट को चार्ज रखना जरूरी होता है. इसे आसान बनाने के लिए इसमें वायरलेस चार्जिंग का विकल्प भी दिया गया है ताकि बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी न हो. इस खास तकनीक को Yidiabao Intelligent Technology Company Limited ने विकसित किया है. कंपनी ने इसी तरह की सुरक्षा तकनीक बेल्ट जैसे अन्य प्रोडक्ट्स में भी इस्तेमाल की है.

बुजुर्गों के लिए क्यों है खास - बढ़ती उम्र के साथ शरीर का संतुलन कमजोर होने लगता है और गिरने का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में यह एयरबैग जैकेट एक बड़ी राहत साबित हो सकती है. घर के अंदर हो या बाहर, अगर अचानक फिसलन हो जाए या पैर लड़खड़ा जाए तो यह जैकेट तुरंत एक्टिव होकर चोट के असर को कम कर देती है. यह तकनीक उन परिवारों के लिए भी सुकून देने वाली है जिनके बुजुर्ग सदस्य अकेले रहते हैं या जिनकी देखभाल हर समय संभव नहीं होती.

चार्जिंग और इस्तेमाल की सुविधा - इस स्मार्ट जैकेट को सही तरीके से काम करने के लिए बैटरी की जरूरत होती है. अच्छी बात यह है कि इसमें वायरलेस चार्जिंग जैसी सुविधा भी दी जा रही है जिससे इसे इस्तेमाल करना आसान हो जाता है. एक बार चार्ज करने के बाद यह लंबे समय तक एक्टिव रह सकती है और लगातार यूजर की गतिविधियों पर नजर रखती है.

जनरल नॉलेज

आसमान के सितारे कहां हो रहे गायब, इससे हमारी पृथ्वी को कितना नुकसान?

क्या आपको याद है जब बचपन में बिजली कटते ही हम छत पर लेटकर आसमान में चमकते सितारों को गिना करते थे? आज वह नजारा शहरों से लगभग गायब हो चुका है. भारत अपनी उस स्वर्णिम खगोलीय विरासत को खो रहा है, जो कभी हमारी रातों को रोशन करती थी. आसमान से सितारों का यह पलायन केवल एक दृश्य बदलाव नहीं है, बल्कि एक गंभीर पर्यावरणीय संकट है, जो हमारी आने वाली पीढ़ी से ब्रह्मांड की भव्यता छीन रहा है.

आसमान से ओझल हो रहे सितारे - भारत के महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक, रात का आकाश अब पहले जैसा नहीं रहा. दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में हालत इतनी खराब हो चुकी है कि घोर अंधेरा होने पर भी तारे नजर नहीं आते हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि हम बहुत तेजी से अपने आसमान की दृश्यता खो रहे हैं. वह समय दूर नहीं जब मिल्की-वे और तारों भरा आसमान बच्चों के लिए केवल किताबों और तस्वीरों तक ही सीमित रह जाएगा. यह बदलाव हमारे पर्यावरण और मानसिक जुड़ाव के लिए एक बड़ा खतरा है.

कहां गायब हो रहे सितारे? - भारत का खगोलीय इतिहास बहुत समृद्ध रहा है, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है. मुंबई के टीआईएफआर-एचबीसीएसई के विशेषज्ञों के अनुसार, 90 के दशक तक शहरों के बाहरी इलाकों से भी आकाशगंगा एक सफेद रोशनी की नदी की तरह साफ दिखाई देती थी. आज वह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है. रोशनी के प्रदूषण और इसके बेतहाशा इस्तेमाल ने उस प्राकृतिक नजारे को हमसे छीन लिया है, जो कभी जमीन पर परछाई बनाने की ताकत रखता था.

यह भी पढ़ें: Vijaypat Singhania Death: भारत के दूसरे सबसे महंगे घर में रहते थे Raymond के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया, जान लीजिए इसकी कीमत

कैसे मापा जाता है आसमान का अंधेरा? - आसमान कितना अंधेरा या चमकदार है, इसे मापने के लिए वैज्ञानिक बोर्ल्ड स्केल का इस्तेमाल करते हैं. इस पैमाने पर 1 से 9 तक के अंक होते हैं. स्कोर 1 का मतलब है सबसे गहरा और शुद्ध अंधेरा, जैसा कि लद्दाख के हैनले में देखने को मिलता है. वहां से लाखों प्रकाश वर्ष दूर की गैलेक्सी भी नग्न आंखों से देखी जा सकती हैं. इसके विपरीत, दिल्ली का स्कोर 9 है, जहां आसमान पूरी तरह बेजान और नारंगी दिखता है. मुंबई का स्कोर 8 है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है.

आसमान के इस प्रदूषण का एक बड़ा कारण हमारे शहरों की स्ट्रीट लाइटों की गलत डिजाइन है. विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश लाइटें इस तरह लगाई गई हैं कि उनकी रोशनी सीधे ऊपर आसमान की ओर जाती है. यह रोशनी वातावरण के कणों से टकराकर एक नारंगी धुंध पैदा कर देती है, जिसे स्काईग्लो कहा जाता है. इस धुंध के कारण तारों की मंद रोशनी हम तक नहीं पहुंच पाती है और हमें आसमान बिल्कुल खाली नजर आता है.

भारत के मुरीद हुए श्रीलंकाई राष्ट्रपति, 38,000 मीट्रिक टन तेल के लिए कहा- शुक्रिया

एजेंसी कोलंबो

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुए उर्जा संकट के बीच तेल भेजने के लिए श्रीलंका ने भारत का धन्यवाद किया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत ने 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम सप्लाई भेजकर हमें मुश्किल से निकाला, जिसके लिए हम आभारी हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रविवार को बताया कि उनकी इस मुद्दे पर भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई थी। इसके कुछ ही दिन में भारत से मदद आ गई है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि कुछ दिन पहले मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की थी। मेरी उनसे श्रीलंका को मध्य-पूर्व के संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आ रही रुकावटों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद कल कोलंबो में 38,000 MT ईंधन पहुंच गया। भारत के त्वरित सहयोग के लिए मैं आभारी हूं। करीबी समन्वय के लिए एस. जयशंकर को भी धन्यवाद देता हूं। भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन (MT) पेट्रोलियम की आपूर्ति की है। इसमें 20,000 MT डीजल और 18,000 MT पेट्रोल है, जो शनिवार को कोलंबो पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच फोन कॉल के बाद हुआ है। ऐसे में श्रीलंका के नेता लगातार दिल्ली को शुक्रिया कह रहे हैं। भारत को शुक्रिया कहने वालों में श्रीलंका केपूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे सांसद नमल राजपक्षे का भी नाम है। उन्होंने कहा है कि भारत की मदद उसकी नेबरहुड फर्स्ट नीति को दिखाती है। उन्होंनेप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि भारत ने श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम उत्पादों की समय पर आपूर्ति करके बड़ी मदद की है। मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की थी। उनको श्रीलंका को मध्य-पूर्व के संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आ रही रुकावटों के बारे में बताया। इसके बाद कोलंबो में 38,000 MT ईंधन पहुंच गया। भारत के त्वरित सहयोग के लिए मैं आभारी हूं। भारत के तेल भेजने के फैसले कीश्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने जमकर तारीफ की है। सिल्वा ने कहा है कि पड़ोसी देश भारत ऐसे समय में हमें मदद भेज रहा है, जब हमें इसकी बहुत ज्यादा जरूरत है। भारत ने पहले भी बुरे वक्त में श्रीलंका का साथ दिया है। जब हम मुश्किल में होते हैं तो वे हमारी मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। हम उनका शुक्रिया करते हैं। भारत का पड़ोसी श्रीलंका ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। इस मुश्किल समय में भारत एक बार फिर सामने आया है। भारत ने डीजल और पेट्रोल भेजकर श्रीलंका की मदद की है। साथ ही श्रीलंका स्थायी विकल्पों की ओर देख रहा है। श्रीलंकाई सरकार ने माना है कि तेल संकट से निपटने के लिए लंबी अवधि की रणनीति की जरूरत है। भारत संकट के समय में श्रीलंका के लिए हमेशा सबसे पहले मदद करने वाला देश बनकर खड़ा रहा है। एक क्षेत्र के तौर पर, यह बहुत जरूरी है कि सभी देश इस क्षेत्र की भलाई के लिए रणनीतिक साझेदार बनकर मिलकर काम करें। यह याद दिलाता है कि मजबूत साझेदारियां बनाई और बचाई जानी चाहिए, ना कि उन पर राजनीति की जानी चाहिए। श्रीलंका समेत दुनिया के बड़े हिस्से में उर्जा संकट की वजह ईरान युद्ध है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इसके बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट के समुद्री गलियारे से यातायात को बाधित किया है। इससे खाड़ी देशों से आने वाली तेल सप्लाई रुक गई है और कई देशों में गैस-तेल की गंभीर कमी हो गई है।

नेपाल के PM बालेन शाह का बड़ा फैसला, स्कूलों में छात्र राजनीति पर बैन, 5वीं तक कोई परीक्षा नहीं

एजेंसी काठमांडू

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र (बालेन) शाह ने शपथग्रहण के बाद शासन में सुधारों का 100 सूत्रीय एजेंडा पेश किया है। इसके तहत उन्होंने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में नेपाल की शिक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलावों की घोषणा की है। इन सुधारों का प्रमुख लक्ष्य शिक्षा को ज्यादा समावेशी और चात्रों के हितों को ध्यान में रखने वाला बनाना है। इसके अलावा स्कूल-कॉलेज के कैंपस को राजनीति से मुक्त करना और पढ़ाई की गुणवत्ता को बढ़ाना भी इसका लक्ष्य है। 35 साल के बालेंद्र शाह ने 27 मार्च 2026 को नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। नेपाल न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, बालेंद्र शाह की सरकार ने नेपाल के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र संगठनों पर रोक लगा दी है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर नेपाली अधिकारियों ने ऐसे समूहों को निर्देश दिया है कि वे एक तय समय-सीमा के भीतर कैंपस से अपनी मौजूदगी हटा लें। छात्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए, सरकार 90 दिनों के भीतर गैर-राजनीतिक "छात्र परिषदें" शुरू करेगी। यह छात्रों की आवाज उठाने के लिए एक ऐसा मंच होगा जिसमें कोई राजनीतिक दखल नहीं होगा। नेपाल सरकार के दस्तावेज में कहा गया है, "प्रशासन को राजनीति-मुक्त करनाः सभी सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए राजनीतिक दलों से जुड़ाव पर रोक लगाई जाएगी और पक्षपातपूर्ण ट्रेड यूनियनों को खत्म किया जाएगा।" इसमें आगे यह भी कहा गया है, "कैंपस से राजनीतिक छात्र संघों को हटाया जाएगा और 90 दिनों के भीतर उनकी जगह गैर-राजनीतिक 'छात्र परिषदें' बनाई जाएंगी।" सरकार का दावा है कि यह घोषणा इस लक्ष्य के साथ की गई है कि राजनीतिक दखल को खत्म करके छात्रों की असली आवाज सुनी जा सके। नेपाल के स्कूलों-कॉलेजों में शैक्षणिक अव्यवस्था को दूर करने के लिए अब विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार ही परीक्षा के नतीजे प्रकाशित करने होंगे। इसके अलावा नेपाली विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए नागरिकता प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी। स्कूल स्तर पर, सरकार ने 5वीं क्लास तक के छात्रों के लिए पारंपरिक आंतरिक परीक्षाओं को खत्म कर दिया है। इसके बजाय, उनकी प्रगति का मूल्यांकन वैकल्पिक और मनोवैज्ञानिक तरीकों से किया जाएगा, जिससे तनाव-मुक्त और समग्र सीखने का माहौल बनेगा।

पाकिस्तान-भारत के टकराव से दूर रहेगा अमेरिका! दिल्ली को ज्यादा उम्मीद ना रखने का मैसेज, आखिर क्या है प्लान

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका की ओर से आने वाले समय में भारत के लिए रूखा रवैया देखा जा सकता है। खासतौर से पाकिस्तान के साथ किसी संघर्ष की स्थिति में अमेरिका की कोशिश भारत से दूरी बनाने की होगी, भले ही दिल्ली उनके लिए हालिया वर्षों में एक अहम साझीदार बनकर उभरा हो। अमेरिकी अधिकारियों ने दिल्ली को संकेत दे दिया है कि पाकिस्तान से जुड़े किसी संकट की स्थिति में अमेरिका खुद से भारत के साथ खड़ा नहीं होगा। संडे गार्जियन लाइव ने भारतीय अधिकारियों के हवाले से बताया है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों और राजनयिकों ने यह स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान से जुड़े किसी संकट की स्थिति में अमेरिका अपने आप भारत के साथ खड़ा नहीं होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वॉशिंगटन के फैसले पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों से ही निर्देशित होंगे। अमेरिकी अधिकारियों से संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को प्रमुख रणनीतिक साझेदार के रूप में देखा जाता है। हालांकि पाकिस्तान के साथ किसी संघर्ष की स्थिति में बिना शर्त समर्थन या सहायता की उम्मीद रखना गलत है। इसे वॉशिंगटन में बढ़ रही रणनीतिक यथार्थवाद की भावना से जोड़ा जा रहा है। अमेरिका अब कम से कम 'नैतिक' आधार पर किसी के साथ नहीं जुड़ेगा। वह मुद्दों पर आधारित सहयोग करेगा, जो सैन्य सुरक्षा गारंटी से एक कदम पीछे रहेगा। अमेरिकी वार्ताकारों ने जोर दिया कि उनके भारत और पाकिस्तान के साथ संबंध बने हुए हैं। टकराव की सूरत में अमेरिका क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने को प्राथमिकता देगा।पाकिस्तान को अलग-थलग नहीं करेगा अमेरिका अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वॉशिंगटन ने साफ किया है कि भारत से संकट के दौरान पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की उम्मीद दिल्ली को उससे नहीं रखनी चाहिए। हालांकि सार्वजनिक बयानों में अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को उभरती शक्ति माना है, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाने के लिए अहम है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीति-निर्माताओं, सुरक्षा और खुफिया तंत्र से जुड़े लोगों के एक बड़े वर्ग का यह आंकलन है कि भारत के साथ अमेरिका के मौजूदा जुड़ाव का केंद्र चीन की बढ़ती ताकत से उसका डर है। अमेरिका की कोशिश नई दिल्ली को चीन के मुकाबले एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करने की है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि चीन के प्रति उनका दृष्टिकोण स्वतंत्र रणनीतिक गणनाओं पर आधारित है। यह किसी बाहरी अपेक्षा, जिसमें वॉशिंगटन शामिल हैं या किसी भी प्रकार के गठबंधन के दबाव पर निर्भर नहीं है। अमेरिकी नीति में भारत और पाकिस्तान को एक तराजू पर तौले जाने से भी दिल्ली खुश नहीं है। भारत के लिए निष्कर्ष यह है कि अमेरिका के साथ बढ़ती रक्षा साझेदारी के साथ गठबंधन-शैली की प्रतिबद्धता नहीं हैं। खासकर पाकिस्तान से जुड़ी स्थितियों में अमेरिका पल्ला झाड़ सकता है। वॉशिंगटन सुरक्षा आश्वासनों को लीवरेज टूल (सौदेबाजी के हथियार) के तौर पर देखता है। वह रणनीतिक सहायता के बदले आर्थिक तालमेल की अपेक्षा रखता है।

क्या भारत के लिए 'बेदम' हो चुका रूस का सबसे घातक विमान, IAF खरीदने को क्यों नहीं तैयार

एजेंसी मॉस्को

चीन और पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच भारत ने हाल में ही कई बड़े रक्षा खरीद समझौते को मंजूरी दी है। इसमें ट्रांसपोर्ट विमान, S-400 एयर डिफेंस सिस्टम, तोप, गोला-बारूद और ड्रोन शामिल हैं। इससे पहले भारतीय नौसेना के लिए राफेल लड़ाकू विमान और P-8I समुद्री गश्ती विमान खरीदने के लिए 40 बिलियन डॉलर के सौदे को मंजूरी दी थी। इन सबसे के बीच यह सवाल बार-बार उठ रहा है कि भारत अपनी हवाई क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस के पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सुखोई Su-57 पर दांव क्यों नहीं लगा रहा। हालांकि, इस बीच चर्चा यह भी है कि भारत जल्द ही 114 राफेल लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दे सकता है। रूस एक साल पहले से भारत को सुखोई Su-57 की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने का ऑफर दे रहा। वह यह भी कह रहा कि अगर भारत उनसे सुखोई Su-57 की खरीद करता है तो वह इस विमान को भारत में बनाने को भी तैयार हैं। साथ में उसने सुखोई Su-57 का सोर्स कोड साझा करने का भी वादा किया है, जिससे सुखोई Su-57 विमान में जरूरत के हिसाब से बदलाव किए जा सकते हैं। रूस ने भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी AMCA कार्यक्रम में भी सहायता करने का वादा किया है। रूस के सरकारी हथियार नियंत्रक कंपनी Rosoboronexport ने नवंबर 2025 में अपने डील में कुछ जरूरी बदलाव भी किया था। उसने भारत को सुखोई Su-57 का पूर्ण लाइसेंस उत्पादन के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और संभावित दो सीटों वाले वेरिएंट का भी ऑफर दिया है। रूस का दावा है कि दो सीटों वाला सुखोई Su-57 स्वार्म ड्रोन को भी संभालने में माहिर होगा, जिससे युद्ध के क्षेत्र में इसकी उत्तरजीविता काफी ज्यादा बढ़ सकती है। उसने यह भी कहा था कि भारत में सुखोई Su-57 के स्थानीय उत्पादन के लिए मौजूदा Su-30MKI के बुनियादी ढांचे का उपयोग किया जा सकता है, जिससे लागत में और ज्यादा कमी आएगी। भारतीय वायुसेना ने रूस के Su-57 लड़ाकू विमान को खरीदने वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने में अभी तक रुचि नहीं दिखाई है। इसका प्रमुख कारण Su-57 की क्षमताओं पर शक है। भारत को लगता है कि रूस Su-57 लड़ाकू विमान की जितनी तारीफ कर रहा है, उतनी सच नहीं है। रूस का दावा है कि Su-57 में शक्तिशाली इंजन के अलावा AESA रडार, रडार से बचने वाली तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक शामिल है, जो युद्ध क्षेत्र में पायलट की ताकत को कई गुना बढ़ा सकते हैं। रूस का यह भी दावा है कि इसका दो सीट वाला वेरिएंट स्वार्म ड्रोन को ऑपरेट कर पहले की तुलना में दुश्मन को और ज्यादा चौंका सकता है। भारत को Su-57 खरीदने पर अमेरिकी प्रतिबंधों का डर भारत को यह भी डर है कि अगर वह रूस से Su-57 लड़ाकू विमान को खरीदता है, तो इससे ट्रंप प्रशासन नाराज हो सकता है। भारत को यह भी डर है कि रूस से Su-57 लड़ाकू विमान खरीदने पर अमेरिकी प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। इसके अलावा रूस ने जिन दो सीटों वाले Su-57 लड़ाकू विमान का ऑफर दिया है, वो अभी कागजों में हैं। उन पर अभी काम चल रहा है। ऐसी संभावना है कि Su-57 लड़ाकू विमान के दो पायलट वाले वेरिएंट इस साल के आखिर में या 2027 की शुरुआत में पहली उड़ान भर सकता है।

भारत में राहत, पाकिस्तान में आफतः बिजली-तेल बचाने के लिए शहबाज सरकार लगाएगी स्मार्ट लॉकडाउन

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान सरकार पूरे देश में ऊर्जा और ईंधन की खपत कम करने के लिए हर हफ्ते में दो दिन का 'स्मार्ट लॉकडाउन' लगाने पर विचार कर रही है। इस लॉकडाउन के तहत बाजार, कार्यालयों और सभी गैर जरूरी सेवाओं को बंद रखा जाएगा। इन कदमों पर तब विचार किया जा रहा है, जब पाकिस्तान तेल और गैस आपूर्ति के लिए ईरान के साथ डील का दावा कर रहा है। वहीं, भारत में पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़ अब कम होती नजर आ रही है। भारत सरकार का भी कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। इस बीच दो और गैस टैंकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं।

दुनिया न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान सरकार ने इस प्रस्ताव को प्रांतीय सरकारों के साथ-साथ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान के अधिकारियों के साथ साझा किया है। इसका मकसद कोई भी फैसला लेने से पहले उनकी राय जानना है। प्रस्तावित योजना के तहत, पाकिस्तान में हर हफ्ते शनिवार दोपहर से लेकर रविवार आधी रात तक पाबंदियां लागू रहेंगी। इस दौरान, शादी-ब्याह के कार्यक्रमों सहित सभी तरह की व्यावसायिक गतिविधियां स्थगित रहेंगी, जबकि बाजार, दफ्तर और अन्य गैर-जरूरी सेवाएं बंद रहेंगी। 4 अप्रैल से लागू हो सकता है स्मार्ट लॉकडाउन

पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि इस कदम का मकसद, देश में ऊर्जा की खपत के चरम समय के दौरान आर्थिक गतिविधियों पर रोक लगाकर ऊर्जा संसाधनों पर पड़ने वाले दबाव को कम करना है। प्रांतों के साथ आम सहमति बन जाने के बाद, इस संबंध में एक औपचारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है, तो यह 'स्मार्ट लॉकडाउन' 4 अप्रैल से लागू किया जा सकता है।

भारत के दो और एलपीजी जहाज होर्मुज से सुरक्षित निकले, जानें कब पहुंचेंगे और कितना रसोई गैस ला रहे

एजेंसी नई दिल्ली

दो और भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर युद्ध-प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकल चुके हैं और अगले कुछ दिन में इनके भारतीय तटों पर पहुंचने की उम्मीद है। इन जहाज पर देश के लगभग एक दिन के इस्तेमाल का रसोई गैस का भंडार है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''दो एलपीजी जहाज बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम, जो लगभग 94,000 टन का एलपीजी कार्गो ले जा रहे हैं, सुरक्षित रूप से इस क्षेत्र से गुजर चुके हैं और भारतीय तटों की ओर बढ़ रहे हैं।'' जहां बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई की ओर बढ़ रहा है और इसके 31 मार्च को पहुंचने की उम्मीद है, वहीं बीडब्ल्यू ईएलएम न्यू मंगलौर की ओर जा है और इसके एक अप्रैल को आने की उम्मीद है। अमेरिका और इजराइल के हमलों और ईरान की व्यापक प्रतिक्रिया के कारण जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। यह संकीर्ण समुद्री मार्ग खाड़ी देशों से दुनिया में तेल और गैस के निर्यात का रास्ता है। हालांकि, ईरान ने पिछले सप्ताह कहा था कि ''जो देश शत्रु नहीं हैं उनके जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय के बाद इस मार्ग से निकल सकते हैं।'' मार्च 2026 में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में गहरा संकट पैदा हो गया है। इस कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई है और कच्चे तेल की कीमतें $126 प्रति बैरल से ऊपर जा पहुंची हैं। ईरान के हमलों के डर और ब्लॉकेड से भारत सहित दुनिया भर में ईंधन और एलपीजी की भारी किल्लत का डर है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के तेल परिवहन का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां से प्रतिदिन लाखों बैरल तेल और एलएनजी गुजरती है। कतर से आने वाली हीलियम की आपूर्ति रुकने से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन पर भी खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले चार भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से इस मार्ग से निकल चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत, जो 92,612 टन एलपीजी ला रहे थे, 26 मार्च और 28 मार्च के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचे। इससे पहले, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी, जो लगभग 92,712 टन एलपीजी ले जा रहे थे, क्रमशः 16 मार्च को गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह और 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंचे थे। भारत अपनी रसोई गैस की जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत खाड़ी देशों से आयात से पूरा करता है। इन जहाजों के आने से देश में एलपीजी संकट के कम होने की उम्मीद है। भारत ने पिछले साल 3.31 करोड़ टन एलपीजी का उपभोग किया, जिसमें लगभग 60 प्रतिशत मांग आयात से पूरी की गई। इसमें से 90 प्रतिशत आयात पश्चिम एशिया से आया था। जलडमरूमध्य के 'बंद' होने के बाद भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से एलपीजी प्राप्त कर रहा है। एक बयान में कहा गया, ''पश्चिमी फारस की खाड़ी क्षेत्र में कुल 18 भारतीय ध्वज वाले जहाज हैं जिनपर 485 भारतीय नाविक सवार हैं।'' मूल रूप से, पश्चिम एशिया में युद्ध के शुरू होने पर जलडमरूमध्य में 28 भारतीय ध्वज वाले जहाज थे। इनमें से 24 पश्चिम की ओर और चार पूर्वी दिशा में थे। पिछले कुछ दिन में पश्चिम दिशा से छह जहाज और पूर्व से दो जहाज सुरक्षित निकलने में सफल रहे हैं। एक और टैंकर जग प्रकाश जो ओमान से अफ्रीका तक पेट्रोल ले जा रहा था, वह भी तंजानिया की ओर जाने के दौरान सुरक्षित निकल चुका है। एलपीजी जहाज जग विक्रम, ग्रीन आशी और ग्रीन सान्वी अभी भी होर्मुज में हैं। एक खाली पोत को एलपीजी से भरा जा रहा है। पोत परिवहन महानिदेशालय का नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है और अब तक 4,523 कॉल और 8,985 ईमेल संभाल चुका है। इनमें पिछले 24 घंटों में 92 कॉल और 120 ईमेल शामिल हैं।

अजिंक्य रहाणे के एक बयान से हिल गया क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, कैमरन ग्रीन पर 25.20 करोड़ उड़ाकर फंसी केकेआर

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी न करने के सवाल पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान ने इसका जवाब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछने को कहा था। रहाणे के बयान के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन की फिटनेस और उनकी इंजरी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

अभी तक इंजरी से जूझ रहे ग्रीन

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का कहना है कि कैमरन ग्रीन पीठ की इंजरी से जूझ रहे हैं और इसकी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती 10 से 12 दिनों में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। सीए ने बताया कि इस बात की जानकारी पहले ही केकेआर के टीम मैनेजमेंट को दे दी गई थी। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

अजिंक्य रहाणे के बयान के बाद बवाल

मैच के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे से पूछा गया कि बाकी गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद ग्रीन से गेंदबाजी क्यों नहीं कराई गई? इस पर रहाणे ने कहा, 'आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए।' रहाणे द्वारा निशाना साधे जाने के बाद ग्रीन को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी किया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दी सफाई

कैमरन ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में चोट है जिसको मैनेज किया जा रहा है। इस वजह से वह कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहेंगे। कैमरन 10 से 12 दिनों में पूरी तरह से फिट होने के बाद गेंदबाजी करते नजर आएंगे। केकेआर टीम को यह बात बता दी गई है और वह इस जानकारी से पूरी तरह से अवगत हैं।

25.20 करोड़ रुपये में ग्रीन को खरीदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरन ग्रीन को ऑक्शन में 25.20 करोड़ की बड़ी बोली लगाते हुए टीम में शामिल किया था। ग्रीन अगर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं करते हैं तो केकेआर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हर्षित राणा और आकाशदीप पहले ही चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं मथीशा पथिराना भी पूरी तरह से फिट नहीं हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बयान के अनुसार, ग्रीन कम से कम अगले दो से तीन मुकाबलों में अभी गेंदबाजी करते हुए दिखाई नहीं देंगे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ स्कोरबोर्ड पर 220 रन लगाने के बावजूद केकेआर को हार का सामना करना पड़ा। वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और ब्लेसिंग मुजारबानी लय से भटके हुए नजर आए और 221 रनों के विशाल लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे।

47 गेंद पहले जीता राजस्थान, चेन्नई को 8 विकेट से रौंदा; वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंद में जड़ा अर्धशतक

आईपीएल 2026 के तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया. टीम को जीत दिलाने में वैभव सूर्यवंशी ने अहम योगदान दिया.

नई दिल्ली, एजेंसी | आईपीएल 2026 के तीसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को बुरी तरह हरा दिया. पहले खेलने के बाद चेन्नई ने 19.4 ओवर में सिर्फ 127 रन बनाए थे. जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने 12.1 ओवर में सिर्फ दो विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया. राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 15 गेंद में अर्धशतक जड़ा. वैभव ने 17 गेंद में 52 रनों की पारी खेली. इस दौरान वैभव ने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया था.

मुकाबले में राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया. मैच से पहले बारिश देखने को मिली थी. बारिश के चलते पिच को काफी देर तक ढक कर रखा गया था, जिससे पहले गेंदबाजी के लिए उतरी टीम के गेंदबाजों को काफी मदद मिली. टीम के लिए जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट चटकाए. इसके अलावा ब्रिजेश शर्मा, संदीप शर्मा और रवि बिश्नोई ने 1-1 विकेट अपने खाते में डाला.

राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर ने पिच का पूरा फायदा उठाते हुए चेन्नई के बल्लेबाजों को बांधकर रखा. चेन्नई का टॉप ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप नजर आया. टीम ने 3 विकेट सिर्फ 19 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे. इस दौरान टीम के लिए ओपनिंग पर उतरे संजू सैमसन और रुतुराज गायकवाड़ ने 6-6 रनों की पारियां खेलीं. इसके अलावा नंबर तीन पर उतरने वाले आयुष म्हात्रे तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. इसी तरह धीरे-धीरे चेन्नई के विकेट गिरते रहे और टीम बड़े टोटल तक नहीं पहुंच सकी.

रन चेज में राजस्थान का कमाल

रन चेज के लिए उतरी राजस्थान रॉयल्स ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया. टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की ओपनिंग जोड़ी ने कमाल करते हुए पहले विकेट के लिए 38 गेंदों में 75 रनों की साझेदारी की. टीम को पहला झटका सूर्यवंशी के रूप में लगा. इसके बाद जायसवाल ने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 13 गेंदों में 24 रनों की पार्टनरशिप की. इसके बाद यशस्वी जायसवाल और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 29 रनों की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत की लाइन पार करवा दी.

प्रीति और दीपक ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में जीत से शुरूआत की

नई दिल्ली, एजेंसी | एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पंवार और दीपक ने सोमवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज की। महिलाओं के 54 किग्रा वजन वर्ग में प्रीति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की एलिना बाजारोवा (2025 की पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन हैं) के खिलाफ 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की।

तीरंदाज कोमोलिका की निगाहें एशियाई खेलों के चयन पर

रायपुर, एजेंसी | 30 मार्च (भाषा) भारतीय तीरंदाज कोमोलिका बारी के लिए जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में सफर उतना आसान नहीं रहा लेकिन अब वह 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और पुणे में चल रहे शिविर में तकनीक निखारने के साथ मानसिक मजबूती पर खास ध्यान दे रही हैं।

विश्व कैडेट और विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटी हैं।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ में पहुंचने के बाद कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। वह पुणे में चल रहे शिविर में अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं।

उन्होंने 'साई मीडिया' से कहा, ''मैं फिलहाल शीर्ष-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही मैं ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं और अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं।''

कोमोलिका ने 2021 में अपनी राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया।

उनकी मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं जिन्होंने बेटी को तीरंदाजी अपनाने के लिए प्रेरित किया। झारखंड की यह प्रतिभाशाली तीरंदाज यहां चल रहे पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में तीरंदाजी स्पर्धा की मुख्य आकर्षण हैं।

कोमालिका ने कहा, ''मेरा अंतिम लक्ष्य 2028 ओलंपिक है। इस समय मेरी ट्रेनिंग काफी अच्छा चल रही है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है।''

उन्होंने कहा, ''अभी तक के सफर ने मुझे सिखाया है कि उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है।''

व्यापार

नई हुंडई वेन्यू को भारत एनसीएपी से मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग, नितिन गडकरी ने दिया सर्टिफिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी | हुंडई की कॉम्पैक्ट SUV सेगमेंट में आने वाली पॉपुलर कार वेन्यू को 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। भारत NCAP द्वारा किए गए क्रैश टेस्ट में वेन्यू और वेन्यू एन-लाइन को यह रेटिंग प्राप्त हुई है। खुद सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस कार को यह सर्टिफिकेट दिया है। कुछ समय पहले ही कंपनी ने इस कार का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया था और अब इस कार को यह सेफ्टी रेटिंग प्राप्त हुई है। इससे पता चलता है कि यह कार कितनी सुरक्षित है। नई वेन्यू को 65 से ज्यादा फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया था, जिसे ग्राहकों का अच्छा रिस्पॉन्स भी मिला है था। आइए आपको इसकी कीमत और खासियतों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

नितिन गडकरी ने दिया सर्टिफिकेट - नई हुंडई वेन्यू और वेन्यू एन लाइन ने भारत NCAP क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग स्कोर की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ तरुण गर्ग को भारत न्यू कार असेसमेंट

प्रोग्राम (BNCAP) का प्रमाण पत्र प्रदान किया है। भारत में 5-स्टार रेटेड कारों को काफी ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद माना जाता है। इससे कार की सुरक्षा पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और लोग ऐसी कारों को खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं।

नई हुंडई वेन्यू की खासियतें - खासियतों की बात करें तो नई हुंडई वेन्यू को 65 से ज्यादा फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया था। इसमें 33 फीचर्स स्टैंडर्ड तौर पर यानी कि सभी वेरिएंट्स में मिलते हैं। केबिन में दो बड़ी 12.3-इंच की डिस्प्ले दी गई हैं। इसमें एक इंफोटेनमेंट के लिए और दूसरी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए है। केबिन में डार्क नेवी और डव ग्रे कलर का डुअल-टोन कॉम्बिनेशन दिया गया है। कार को हाई-स्ट्रेंथ स्टील से बनाया गया है, इसलिए यह काफी मजबूत भी है।

पहले वाले मॉडल से ऊंची और चौड़ी - नई वेन्यू अपने पहले वाले मॉडल से 48 मिमी ऊंची और 30 मिमी चौड़ी हो गई है, जिससे इसके केबिन में ज्यादा स्पेस मिलता है और इसकी रोड प्रेजेंस भी बेहतर हुई है। कार में एंबिएंट लाइटिंग, बेहतरीन म्यूजिक के लिए 8 स्पीकर वाला बोस साउंड सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और वॉइस से कंट्रोल होने वाली स्मार्ट सनरूफ भी दी गई है। इसमें डार्क क्रोम ग्रिल, हॉरिजॉन LED लाइट बार, क्वाड-बीम LED हेडलाइट्स और व्हील आर्च दिए गए है

फरवरी अंत तक केंद्र का वित्तीय घाटा लक्ष्य के 80.4% पर पहुंचा, सीजीए की ओर से आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी | चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार का वित्तीय घाटा फरवरी माह के अंत तक वार्षिक बजट लक्ष्य के 80.4 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में 85.8 प्रतिशत की तुलना में कम है। नियंत्रक महालेखागार (सीजीए) की ओर से सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 के अंत तक वित्तीय घाटा 12.52 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने 2025-26 के लिए वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 प्रतिशत, यानी लगभग 15.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

सीजीए की ओर से जारी मासिक खातों के अनुसार, फरवरी 2026 के अंत तक केंद्र की कुल प्राप्तियां बजट लक्ष्य का 82 प्रतिशत, यानी 27.91 लाख करोड़ रुपये रहीं। इन प्राप्तियों में 21.45 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व (शुद्ध) और 5.8 लाख करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व शामिल है। वहीं, अप्रैल से फरवरी 2025-26 की अवधि के दौरान, केंद्र सरकार का कुल व्यय वित्तीय वर्ष के पूरे बजट लक्ष्य का 81.5 प्रतिशत, यानी 40.44 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्तीय घाटा किसी सरकार के कुल व्यय और उसकी कुल आय (करों और अन्य स्रोतों से) के बीच का अंतर होता है।

यह दर्शाता है कि सरकार को अपने खर्चों को पूरा करने के लिए कितनी उधार लेने की आवश्यकता है। एक उच्च वित्तीय घाटा अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है, जबकि एक नियंत्रित घाटा वित्तीय स्थिरता का संकेत देता है। यह महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष वित्तीय घाटे का प्रतिशत पिछले वर्ष की तुलना में कम रहा है।

जंग के आगे बेबस शेयर बाजार; सेंसेक्स 1636 अंक टूटा, निफ्टी 22400 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी | पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों का मनोबल कमजोर बना रहा। इसके चलते सोमवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी 2025-26 वित्तीय वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में भारी गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में कमजोर रुझान और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू शेयरों में मंदी के रुझान को और बढ़ा दिया। निवेशकों के पोर्टफोलियो में नौ लाख करोड़ रुपये की कमी आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल - सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थे। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड को लाभ हुआ। 2025-26 वित्तीय वर्ष में, बीएसई बेंचमार्क 5,467.37 अंक या 7 प्रतिशत गिर गया, और निफ्टी 1,187.95 अंक या 5 प्रतिशत गिर गया।

यूरोपीय बाजारों में दिखी मामूली तेजी - एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक लगभग 3 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी नीचे बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में समाप्त हुआ। यूरोप के बाजारों में मामूली तेजी देखी गई।

शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 2.15 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.73 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 1.67 प्रतिशत की गिरावट आई।

क्या है विशेषज्ञों की राय? - अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट जारी रही, बेंचमार्क सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जो लगातार वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से प्रेरित गहरी बिकवाली की भावना को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव, कमजोर होते रुपये और भारत की विकास दर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के प्रभाव को लेकर चिंताओं के कारण विदेशी निवेशकों ने मार्च में घरेलू शेयरों से 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब अमेरिकी डॉलर) निकाल लिए हैं, जो अब तक का सबसे खराब मासिक बहिर्वाह है।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 115.1 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा - वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 2.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 115.1 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,367.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,566.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,690.23 अंक या 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 486.85 अंक या 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर समाप्त हुआ।

रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर, ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच डॉलर के मुकाबले 95 के पार

ईरान युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 95.22 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया. इससे पहले रुपया 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था.

नई दिल्ली, एजेंसी | रुपए ने सोमवार को कारोबार के दौरान शुरुआती बढ़त गंवा दी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर 95.22 पर आ गया. कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, जारी भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत डॉलर के माहौल के कारण घरेलू मुद्रा दबाव में है.

रुपए ने हालांकि बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन बाद में इसने शुरुआती लाभ गंवा दिया. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 93.57 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त दर्शाता है.

ईरान युद्ध की वजह से हिल गया वैश्विक बाजार

यह बढ़त हालांकि बरकरार नहीं रह सकी और रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले दिन के कारोबार में 95.22 के सर्वकालिक निचले स्तर तक गिर गया. ईरान में जारी युद्ध और मध्य-पूर्व (मिडल ईस्ट) में बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों को हिलाकर रख दिया है, जिसका सीधा असर भारतीय मुद्रा पर देखने को मिल रहा है. इससे पहले शुक्रवार को रुपया 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था.

आम आदमी पर क्या होगा असर?

रुपए के कमजोर होने का मतलब है कि अब विदेश से आने वाली हर चीज महंगी हो जाएगी. यानी अब कच्चे तेल के लिए भारत को अब ज्यादा डॉलर चुकाने होंगे, जिससे आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (LPG) की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है.

रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में आएगा उछाल!

इतना ही नहीं मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, जिनके पार्ट्स विदेश से आते हैं, उनकी कीमतें बढ़ सकती हैं. इसके साथ ही जो छात्र विदेश में पढ़ रहे हैं या जो लोग विदेश घूमने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अब डॉलर खरीदने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने होंगे. माल ढुलाई भी महंगी होगी, जिससे खाने-पीने की चीजों और रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में भी उछाल आ सकता है.

सेलिना जेटली को मिला प्रीति जिंटा का साथ

अपनी प्यारी फोटोज शेयर कर सेलिना ने प्रीति जिंटा का दिल से शुक्रिया कहा है। उन्होंने लिखा, 'एक अलग तरह की ईद, जिसने मुझे खुद से फिर से जोड़ा। बहुत लंबे समय बाद, मैंने ट्रैकसूट और वर्कआउट कपड़ों के अलावा कुछ और पहना। काफी समय बाद, यह मेरा पहला कदम था, पूरी तरह सज-धज कर बाहर आना। मेरी दोस्त प्रीति जिंटा ने मुझे तैयार होने और खुद के लिए बाहर आने के लिए प्रेरित किया। '

बॉलीवुड की 'नो एंट्री' फेम एक्ट्रेस सेलिना जेटली इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रही हैं। उनका पति पीटर हाग से तलाक का केस चल रहा है। वे अपने तीनों बच्चों से भी बहुत दूर हैं। अभिनेत्री का भाई भी अबू धाबी की जेल में बंद है। इन मुश्किल हालातों ने अभिनेत्री को तोड़कर रख दिया है, लेकिन इस ईद पर उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। सेलिना जेटली ने अब बहुत प्यारा पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वो ट्रेडिशनल आउटफिट में दिख रही हैं और गहनों से लदी हैं। अभिनेत्री को काफी समय बाद ऐसे अवतार में देखा गया है। खुद को यूं सजा और तैयार करके सेलिना का आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। इन परिस्थितियों में उन्हें अच्छा फील कराया प्रीति जिंटा ने, जिन्होंने उन्हें तैयार होने के लिए मोटिवेट किया।

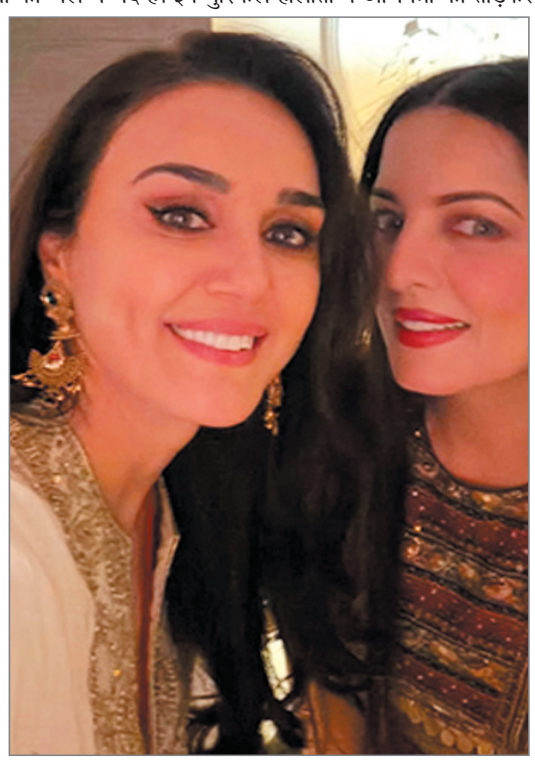

अपनी प्यारी फोटोज शेयर कर सेलिना ने प्रीति जिंटा का दिल से शुक्रिया कहा है। उन्होंने लिखा, 'एक अलग तरह की ईद, जिसने मुझे खुद से फिर से जोड़ा। बहुत लंबे समय बाद, मैंने ट्रैकसूट और वर्कआउट कपड़ों के अलावा कुछ और पहना। काफी समय बाद, यह मेरा पहला कदम था, पूरी तरह सज-धज कर बाहर आना। मेरी दोस्त प्रीति जिंटा ने मुझे तैयार होने और खुद के लिए बाहर आने के लिए प्रेरित किया। ' सेलिना के मुताबिक खुद को तैयार करके वह आत्मनिर्भर और शक्ति से भरा महसूस कर रही हैं। पहले उन्होंने परेशानियों में खुद को इतना घोल लिया कि खुद को पूरी तरह भूल गईं और सजना-संवरना छोड़ दिया था। अब तैयार होकर उन्हें महसूस हो रहा है कि उनके अंदर एक अलग शक्ति है और वो हर चीज की हकदार हैं, चाहे बात कपड़ों की हो या फिर संजने-संवरने की। उन्होंने आगे लिखा, 'जो भी इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, खुद के लिए समय निकालें। सज-धज कर तैयार हों, भले ही सिर्फ अपने लिए ही सही। क्योंकि कभी-कभी, एक छोटा सा प्रयास ही आपको फिर से पहले जैसा महसूस कराने की शुरुआत बन जाता है। क्योंकि मैं खुद को भूल चुकी थी। '

दिल्ली पुलिस ने सड़क सुरक्षा या यातायात जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए इस ट्रेंड को अपनाया। अपने संदेश में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए लिखा, 'ये ले हेलमेट पहन, मेरा बच्चा है तू। हेलमेट पहनेगा तभी सयाना बनेगा।' इस तरह के रचनात्मक संदेश लोगों को नियमों के प्रति आकर्षित करने में कारगर साबित हो रहे हैं।

पुलिस से पर्यटन तक छाया

'जमील जमाली'

इन दिनों सोशल मीडिया पर 'धुरंधर' का 'मेरा बच्चा है तू' डायलॉग जबरदस्त तरीके से ट्रेंड कर रहा है। यह डायलॉग अभिनेता राकेश बेदी के निभाए गए जमील जमाली किरदार से जुड़ा है, जिसने अपने खास अंदाज और मजेदार शैली से दर्शकों के दिलों में अलग पहचान बनाई है। अब यही किरदार और उसका संवाद सरकार के कई विभागों के जागरुकता अभियानों का हिस्सा बन चुका है। जमील जमाली के किरदार की बात करें, तो इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका सरल, अपनापन भरा और हास्यपूर्ण अंदाज है। यह किरदार अपने संवादों के जरिए सीधे दिल तक पहुंचता है और गंभीर बातों को भी हल्के-फुल्के तरीके से समझा देता है। राकेश बेदी ने इस किरदार में अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, सहज अभिनय और संवाद अदायगी से जान डाल दी है। यही वजह है कि जमील जमाली अब सिर्फ एक किरदार नहीं बल्कि एक ट्रेंड बन चुका है, जिसे हर वर्ग के लोग पसंद कर रहे हैं। जमील जमाली के संवाद की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सरकारी संस्थान इसे अपने-अपने अंदाज में इस्तेमाल कर रहे हैं।

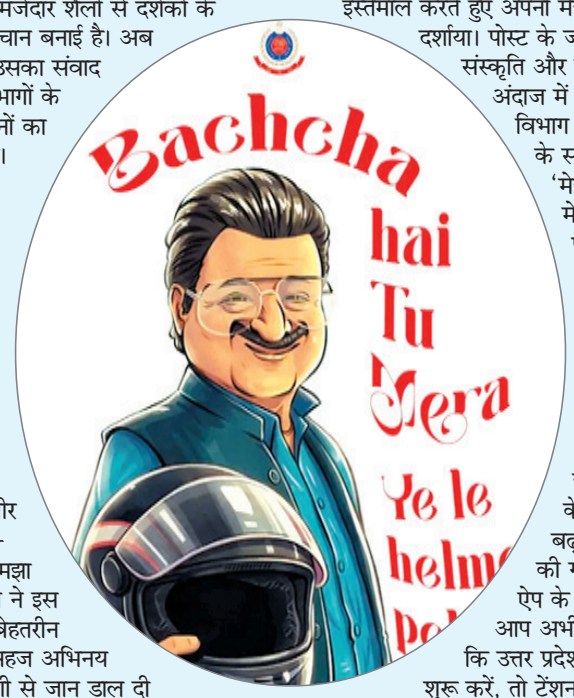

दिल्ली पुलिस ने सड़क सुरक्षा या यातायात जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए इस ट्रेंड को अपनाया। अपने संदेश में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए लिखा, 'ये ले हेलमेट पहन, मेरा बच्चा है तू। हेलमेट पहनेगा तभी सयाना बनेगा।' इस तरह के रचनात्मक संदेश लोगों को नियमों के प्रति आकर्षित करने में कारगर साबित हो रहे हैं।

वहीं, राजस्थान पर्यटन विभाग ने भी इस ट्रेंड का इस्तेमाल करते हुए अपनी मेहमाननवाजी को दर्शाया। पोस्ट के जरिए राजस्थान की संस्कृति और स्वाद को मजेदार अंदाज में प्रस्तुत किया गया। विभाग ने राजस्थानी थाली के साथ संदेश दिया, 'मेहमान हैं आप... और मेहमाननवाजी हमारी पहचान।'

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने भी यात्रियों को आकर्षित करने के लिए 'मेरा बच्चा है तू' ट्रेंड का सहारा लिया। इस संदेश में हल्के-फुल्के अंदाज के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है। विभाग ने अपने ऐप के प्रचार में लिखा, यदि आप अभी भी यह सोच रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की यात्रा कहां से शुरू करें, तो टेंशन न ले, बच्चा है तू मेरा यूपी टूरिज्म ऐप डाउनलोड कर और एक क्लिक में पूरे राज्य की जानकारी प्राप्त कर।

इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भी लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए इस ट्रेंड को अपनाया। उन्होंने 'धुरंधर' बनकर खाने में मिलावट की पहचान करने की सलाह दी और डार्टबुक के जरिए आसान जांच तरीकों की जानकारी देने पर जोर दिया। एफएसएसएआई ने लिखा, बच्चा है तू मेरा खाद्य असली और नकली की पहचान करना सीख ले।

जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है।

दिव्या दत्ता

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।''

इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले।

अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार मिलकर बनाएंगे

'ऑपरेशन सिंदूर'

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार ने नए प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। दरअसल, दोनों मिलकर टेरर अटैक-बेस्ड फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' लेकर आ रहे हैं। दोनों की यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब से प्रेरित है। विवेक अग्निहोत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस बात की पुष्टि करते हुए लंबा-चौड़ा नोट पोस्ट करते हुए बताया कि उनकी यह फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर आधारित है विवेक अपने नोट पर लिखते हैं, 'भूषण कुमार और मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हाथ मिलाया है। यह वह कहानी है, जिसने पूरे उपमहाद्वीप की सुरक्षा की परिभाषा ही बदल दी और पाकिस्तानी के परमाणु झूठ को बेनकाब किया है। '

उन्होंने कहा, 'यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडिया डीप स्ट्राइक इनसाइड पाकिस्तान पर आधारिक है। '

निर्देशक ने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि फिल्म का मकसद उन सच्ची घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाना है जो भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में अहम रोल निभाती हैं। निर्देशक ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं बनी है बल्कि हकीकत को लोगों तक पहुंचाने के लिए है।

निर्देशक ने लिखा, 'फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित है और इसके लिए भारतीय सशस्त्र बलों के कई हिस्सों के साथ मिलकर गहन रिसर्च की गई है। यह कहानी वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। शोर मचाने के लिए नहीं बल्कि सच्चाई को सामने लाने के लिएः तथ्यों, स्पष्टता और सिनेमा के जादू के साथ। ' विवेक रंजन अग्निहोत्री का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के जरिए होगा। हालांकि, फिल्म को लेकर बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

विवेक रंजन अग्निहोत्री इससे पहले भी गंभीर मुद्दों पर कई फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। वह 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म के जरिए कश्मीरी पंडितों के दर्द को सामने ला चुके हैं। वहीं, 'द बंगाल फाइल्स' के जरिए पश्चिम बंगाल में हिंदू नरसंहार की स्थिति को भी सामने ला चुके हैं।

पीएम जनमन योजनांतर्गत दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों को मुख्य सड़को से जोड़ने का काम किया है- मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

सरकार पीएम जनमन योजनांतर्गत सड़क, बिजली पानी और शिक्षा जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है

मंत्री श्री सिंह ने सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर विशाल आदिवासी सम्मेलन को संबोधित किया

मंत्री श्री सिंह ने आदिवासी बहनों के हाथों से फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक करीब 29.10 किमी लंबी सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए है। इसके लिए सभी को शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने गांव- गांव को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया है, जिसके माध्यम से कई ग्रामों को पक्की सड़को से जोड़ने का कार्य हुआ है। पीएम जनमन योजनांतर्गत जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र बड़ागांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वनांचल ग्राम बड़ागांव में सड़क निर्माण कार्य के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिस राशि से इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। सरकार दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवासरत आदिवासी भाईयों और बहनों की चिंता कर रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सरकार पीएम जनमन योजनांतर्गत सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक पक्की सड़क का निर्माण होने से यह क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार से जुड़ने का काम करेगी। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से कहा कि वे गुणवत्ता और मानक स्तर की सड़क का निर्माण कार्य करें, जिससे आने-जाने में किसी भी तरह की परेशानी न हो।

उक्ताशय के विचार मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने रविवार को गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के जनपद पंचायत बाबई-चीचली के ग्राम मोहपानी में सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने आदिवासी बहनों के हाथों से फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह आदिवासी भाईयों और बहनों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा शिवाकांत मिश्रा, अभिलाष मिश्रा, मुकेश मरैया, भूपेन्द्र ठाकुर, मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश कौरव, कमल खटीक, सुश्री नंदनी मरावी, ठाकुर राजीव सिंह, राजाराम ठाकुर, राव संदीप सिंह, रामकुमार ठाकुर, नवनीत चाचा, नरेन्द्र कौरव, अन्य जनप्रतिनिधि, पीआईयू के संजीव सनौड़िया सहित अन्य अधिकारी, आदिवासी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से करीब 29.10 किमी लंबी की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ग्राम बड़ागांव में स्कूल का भवन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र में विकास हो। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनी स्कूल भवन के निर्माण किए जा रहे हैं। अब जनपद पंचायत चीचली के सांदीपनी स्कूल भवन में आदिवासी क्षेत्र के बच्चे पढ़ाई के लिए जाएंगे। सरकार नल-जल योजना के माध्यम से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का काम कर रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सालीचौका में वृहद स्तर का अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान योजना लागू कर पात्र व्यक्तियों का 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है, जिससे मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। इस दिशा में सरकार ने कई मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सेवा प्रदान की है।

मंत्री श्री सिंह ने की घोषणाएं

इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने ग्राम मोहपानी में बड़ादेव मंदिर मय टीन शेड व चबूतरा निर्माण के लिए दो लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। छोटा जबलपुर में नागरिकों की सुविधा के लिए सर्वसुविधायुक्त प्रसाधन गृह के लिए 5 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। इसके अलावा मंत्री श्री सिंह ने बताया कि ग्राम टुईयापानी से ग्राम भिलमाढाना रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

बेलवा पैकान में NSS का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न, जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी ने स्वयंसेवकों को बताया राष्ट्र निर्माता

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां

शासकीय महाविद्यालय मनगवां की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की महिला एवं पुरुष इकाई द्वारा ग्राम बेलवा पैकान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का गरिमामय समापन सोमवार को हुआ। 24 मार्च से प्रारंभ होकर 30 मार्च तक चले इस शिविर का आयोजन शासकीय हाई स्कूल बेलवा पैकान परिसर में किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट परिचय दिया। सेवा कार्यों से बदली गांव की तस्वीर सात दिनों तक चले शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने श्रमदान के माध्यम से विद्यालय परिसर एवं गांव की साफ-सफाई की। इसके साथ ही घर-घर जाकर सर्वे कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशामुक्ति और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे महत्वपूर्ण संदेश भी दिए गए।

मुख्य अतिथि ने सराहा योगदान

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल शिविर नहीं, बल्कि युवाओं के चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. आर.एन. तिवारी ने अनुशासन और सेवा भावना को विद्यार्थी जीवन

का मूल आधार बताया और सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय एवं ग्रामवासियों के समन्वय की प्रशंसा की। अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष संजय द्विवेदी, सदस्य शत्रुघ्न द्विवेदी, ग्राम पंचायत सरपंच राजा प्रजापति, उपसरपंच विजय सिंह, सचिव बिपिन शुक्ला तथा हाई स्कूल प्राचार्य राजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.एन. सिंह के मार्गदर्शन में शिविर का सफल संचालन हुआ। महाविद्यालय स्टाफ की सहभागिता समापन समारोह में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ समापन शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। लोकगीतों और देशभक्ति गीतों से पूरा वातावरण देशभक्ति और उत्साह से भर गया। ग्रामवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए स्वयंसेवकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक : गोविंद सिंह राजपूत

खाद्य मंत्री ने किसी प्रकार की कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

साधना एक्सप्रेस भोपाल।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि भारत में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और देश व प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं। इससे पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति निरंतर बनी हुई है और किसी प्रकार की रुकावट की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सहित पूरे देश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्री श्री राजपूत ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पीएनजी कनेक्शन लेने का भी आग्रह किया, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो और स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप एलपीजी सिलेंडरों का निरंतर वितरण किया जा रहा है। वहीं कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम और आवंटन प्रतिशत के आधार पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सतत रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं तथा जिला स्तर तक बॉटलिंग प्लांट और वितरकों के पास उपलब्धता एवं वितरण की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल (एमएस/एचएसडी) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। रिटेल आउटलेट्स (पेट्रोल पंपों) पर भी पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। कंपनियों के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति की जा रही है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। बढ़ी हुई मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के डिपो अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं जिससे मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई :

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2,110 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 2,933 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए तथा 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त 391 पेट्रोल पंपों की जांच की गई, जिसमें एक प्रकरण दर्ज कर एफआईआर कराई गई है। प्रदेश के सभी जिला आपूर्ति नियंत्रकों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा :

प्रदेश में पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाओं द्वारा घरेलू और व्यावसायिक कनेक्शन से संबंधित मांग एवं शिकायतों के पंजीयन और उनके निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के जिन शहरों में पाइपलाइन नेटवर्क उपलब्ध है, वहां पाइपलाइन के आसपास के घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। अन्य जिलों में पाइपलाइन विस्तार के बाद पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही सीजीडी संस्थाओं को विभिन्न अनुमतियां प्राप्त करने के लिए सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने की सुविधा भी प्रदान की गई है।

इन संस्थाओं द्वारा संबंधित शहरों के लिए दूरभाष नंबर भी जारी किए गए हैं, जिन पर उपभोक्ता संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इनमें अवंतिका गैस लिमिटेड द्वारा पीथमपुर, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर के लिए संपर्क नंबर उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि गैल गैस लिमिटेड द्वारा देवास, रायसेन, शाजापुर और सीहोर के लिए संपर्क सुविधा दी गई है।

इसी प्रकार नवेरिया गैस लिमिटेड द्वारा धार, थिंक गैस द्वारा भोपाल, राजगढ़ और शिवपुरी, आईओसीएल द्वारा गुना, मऊगंज, रीवा, अशोकनगर और मुरैना, बीपीसीएल द्वारा मैहर, सतना, शहडोल, सीधी और सिंगरौली तथा गुजरात गैस लिमिटेड द्वारा उज्जैन, देवास, इंदौर, रतलाम और झाबुआ क्षेत्रों के लिए दूरभाष नंबर जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ता अपनी मांग या शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल और डीजल की खरीद करें तथा अनावश्यक संग्रह से बचें। ऑयल कंपनियों ने भी यह स्पष्ट किया है कि एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन 10 और 15 अप्रैल से

वैश्विक हालातों के बीच कैबिनेट समिति ने की तैयारियों की समीक्षा

साधना एक्सप्रेस भोपाल।

मध्यप्रदेश सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में सोमवार को एक उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित की गई, जिसमें राज्य में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कैबिनेट समिति ने निर्णय लिया है कि राज्य के इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में गेहूं की खरीदी का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। वहीं, प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन कार्य 15 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। सरकार ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें खरीदी केंद्रों की स्थापना, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना शामिल है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि बैठक में वैश्विक परिदृश्य, विशेष रूप से मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न आपूर्ति एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से गेहूं खरीदी की प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो और भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एंदल सिंह कंसाना, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री लखन पटेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि समय पर और व्यवस्थित गेहूं खरीदी से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में खाद्यान्न प्रबंधन भी सुदृढ़ होगा। इसके साथ ही, बदलते वैश्विक हालातों के बीच यह कदम राज्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा और नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा भी ऑनलाइन जुड़े थे।

नगर परिषद मनगवा के नव नियुक्त एल्डर मैन पदाधिकारियों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का किया आभार

ढोल नगाड़े के साथ मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला वा मनगवा विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति का मिठाई खिलाकर एल्डर मैन पदाधिकारियों ने जताया आभार

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां मध्य

प्रदेश नगरीय निकायों में नव नियुक्त एल्डर मैन शासन द्वारा नियुक्त किए गए हैं जिसमे नगर परिषद मनगवा में भी नियुक्त भारतीय जनता पार्टी के कर्तव्य निष्ठ कार्यकर्ताओ को नियुक्ति की गई है

नगर परिषद मनगवा में शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने वा क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए नियुक्त एल्डर मैन लवकुश गुप्ता,पूर्व पार्षद सदस्य जिला योजना सलाहकार समिति रीवा विधानसभा क्षेत्र मनगवा के एस आई आर प्रभारी पारिवारिक पृष्ठभूमि संघ भाजपा का रहा है पार्टी के लिए तन्मयता से लगे हुए हैं

श्रीमती कुसुमलता बृजेश वर्मा पूर्व पार्षद वा संगठन के कार्यों में सक्रियता पारिवारिक पृष्ठभूमि संघ भाजपा का है पार्टी के प्रतिबद्ध हैं

भागवत प्रसाद द्विवेदी पूर्व एल्डर मैन भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता वा पार्टी के लिए सतत समग्र विकास की सोच के साथ लगे हुए रहते हैं

श्रीमती पूनम गणेश बंसल वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता बाबूलाल बंसल की बहू है पूरा परिवार पार्टी के लिए समर्पित भाव से काम करते हैं सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी के निज निवास ढोल नगाड़े के साथ पहुंचे और माननीय उप मुख्यमंत्री जी को अंगवस्त्र पहनाकर मिठाई खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही मनगवा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति जी के निज निवास पहुंचकर अंगवस्त्र पहनाकर मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया गया और सभी ने अपने नेता के प्रति धन्यवाद आभार ज्ञापित किया साथ ही उपस्थित डॉक्टर विष्णु देव कुशवाहा विधायक प्रतिनिधि मनगवां मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता वरिष्ठ कार्यकर्ता अनुसूचित जाति मोर्चा बाबूलाल बंसल किशन गुप्ता धीरेंद्र सिंह महेश कुमार वर्मा अतीत गौतम ब्यूरो चीफ आस्था की शक्ति समाचार श्रीमती पूनम बंसल श्री मती संध्या बंसल सोनू वर्मा राकेश वर्मा अखिल गुप्ता श्री मती सुनीता गुप्ता अशोक तिवारी पवन तिवारी अन्य सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बधाई शुभकामनाए प्रेषित कर पार्टी का आभार जताया है

भारतीय किसान संघ जिला रीवा के मंनगवा तहसील की बैठक तहसील प्रांगण मंनगवा में सम्पन्न

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां

भारतीय किसान संघ तहसील ईकाई मंनगवां की बैठक आज आज दिनांक को तहसील प्रांगण मंनगवा में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष जोधा प्रसाद पटेल ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष बृजभूषण मिश्रा रहे उपस्थित,

बैठक में सबसे पहले भारत माता एवं कृषि देवता भगवान बलराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत हुई जिसमें आगामी दो अप्रैल को दो दिवसीय प्रवासीय-प्रतींय बैठक रीवा संभाग मुख्यालय रीवा में होने वाली है जिसमें तैयारी के संबंध में चर्चा हुई और संगठन द्वारा विभिन्न कार्यकर्ताओं को सौंपे गए दायित्व पर प्रगति के विषय में जानकारी ली गई एवं शेष बचे कार्यों को पूरा करने का सुझाव दिया गया साथ ही तहसील में वर्तमान समय में सभी गठित समिति को सूचीबद्ध किया गया एवं तहसील मंनगवां अन्तर्गत किसानों को आ रही समस्याओं पर चर्चा कर संगठन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाने का प्रस्ताव तैयार किया गया,

उक्त बैठक प्रमुख रूप से तहसील अध्यक्ष जोधा प्रसाद पटेल जिला उपाध्यक्ष बृजभूषण मिश्रा जिला युवा वाहिनी संयोजक अंकलेश पटेल कार्यकारिणी सदस्य वुध्दसेन गौतम तहसील मंत्री शुशील शुक्ला तहसील महिला संयोजिका रेखा मिश्रा तहसील उपाध्यक्ष कौशल प्रसाद कुशवाहा तहसील सहमंत्री राजदीन कुशवाहा तहसील कार्यकारिणी सदस्य रमेश मिश्रा अरुण द्विवेदी जय कृष्णा मिश्रा राजकुमार पटेल मंगलेश्वर तिवारी सहित जिला एवं तहसील के कार्यकर्ता रहे उपस्थित,

उक्त आशय की जानकारी तहसील मंत्री शुशील शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी,

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698